RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:218 ता. 13 फरवरी 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

एक लाख युवाओं को मिली नौकरी, पीएम मोदी ने वर्चुअली बांटे नियुक्तिपत्र

नई दिल्ली।

देश के एक लाख युवाओं को पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नियुक्ति-पत्र वितरित किए। उन्होंने रोजगार मेले के तहत हाल ही में भर्ती किए गए एक लाख से अधिक कर्मियों को वर्चुअली नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। मिली जानकारी के अनुसार वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध् यम से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम ने राजधानी दिल्ली में समेकित कर्मयोगी भवन परिसर के पहले चरण का शिलान्यास भी किया। इस परिसर का उद्देश् य मिशन कर्मयोगी की विभिन्न शाखाओं के बीच तालमेल और सहयोग को बढ़ावा देना है। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो अपने लिए जगह बना सकता है। पीएम ने कहा` कि साल 2014 से हम युवाओं को भारत सरकार से जोड़ने और उन्हें विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार से डेढ़ गुना ज्यादा नौकरियां दी हैं। इस दौरान पीएम ने कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है। इन स्टार्टअप्स के कारण रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। नवनियुक्त युवा विभिन्न मंत्रालयों व विभागों जैसे राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, रक्षा मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय में विभिन्न पदों पर भर्ती होकर सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

राज्यों में डिप्टी सीएम का पद समाप्त करने लगाई जनहित याचिका खारिज

नई दिल्ली।

देश के विभिन्न राज्यों में उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति को समाप्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका लगाई गई है। हालांकि प्रथा को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि उपमुख्यमंत्री का पदनाम संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। जानकारी के अनुसार दरअसल इस जनहित याचिका में कहा गया था कि संविधान में कोई प्रविधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न राज्य में वहां की सरकारों ने उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति की है। संविधान के अनुच्छेद 164 में केवल मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति का प्रविधान है। गौरतलब है कि देशभर के 14 राज्यों में इस समय 26 उपमुख्यमंत्री नियुक्त हैं। अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति का राज्य के नागरिकों से कोई लेना-देना नहीं होता है। न ही कथित उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति होने पर राज्य की जनता का कोई अतिरिक्त कल्याण ही होता है। इस याचिका में यह भी कहा गया था कि उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर जनता में भ्रम पैदा होता है और राजनीतिक दलों द्वारा काल्पनिक पोर्टफोलियो बनाकर गलत और अवैध उदाहरण स्थापित किए जा रहे हैं। क्योंकि उपमुख्यमंत्रियों के बारे में कहा जाता है कि वह कोई भी स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते हैं, हालांकि उन्हें मुख्यमंत्रियों के बराबर दिखाया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने उनकी ये दलीलें दरकिनार करते हुए इस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

एलओसी के पास पुंछ में सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन पर की गोलाबारी

श्रीनगर ।

एलओसी के पास सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलाबारी की है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन के उड़ने की अधिकारियों जानकारी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन रविवार देर रात भारतीय क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने कहा कि मेंढर के नार मनकोट इलाके में दुश्मन के ड्रोन की गतिविधि देखी गई, जिसके बाद नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों ने उसे गिराने के लिए उस पर कम से कम तीन गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सैनिकों की गोलीबारी के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने बताया कि इलाके में लगातार सघन तलाशी अभियान जारी है। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से नशीले पदार्थों, हथियारों और विस्फोटक सामग्री को गिराने के लिए भेजे जाने वाले ड्रोन के बारे में सूचना देने वालों को तीन लाख रुपये का नकद इनाम देने की हाल में घोषणा भी कर दी है।

हिंसा की आशंका के चलते किसान आंदोलन को लेकर पूरी दिल्ली में धारा 144 लागू

-सीमा में नहीं आ सकेंगे ट्रेक्टर, लाठी, डंडा बैनर व हथियार पर भी रहेगी पाबंदी

नई दिल्ली।

किसान आंदोलन की वजह से पूरी दिल्ली में धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान ट्रेक्टर के प्रवेश को बैन किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एक महीने तक पूरी दिल्ली में धारा 144 के साथ कई प्रतिबंध लागू रहेंगे। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 13 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा और अन्य किसान संगठनों ने दिल्ली चलो मार्च का ऐलान किया है। वह अपनी मांगों को लेकर संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करना चाहते हैं। किसानों के आंदोलन से तनाव, सामाजिक सद्भाव बिगड़ने और हिंसा तक की आशंका और खुफिया अलर्ट की दलील देते हुए यह फैसला लिया गया है। पुलिस ने कहा है कि प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर ट्रॉली का इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे अन्य वाहन चालकों को असुविधा हो सकती है। इसको देखते हुए नई दिल्ली में ट्रैक्टर को बैन कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि परिस्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ असमाजिक तत्व दिल्ली में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। इसे लिए एहतियात के तौर पर पूरी दिल्ली में धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान धारा 144 लगाने के साथ साफ किया गया है कि दिल्ली में सड़क जाम करने, रास्ते रोकते हुए किसी आंदोलन, रैली, सार्वजनिक सभा पर रोक लगाई गई है। छूट प्राप्त कुछ मामलों को छोड़कर पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक रहेगी। वहीं किसी भी सामाजिक, राजनीतिक और अन्य संगठनों के जुलूस, प्रदर्शन, रैली, पैदल मार्च आदि पर पूरी दिल्ली मे रोक रहेगी। दिल्ली में ट्रैक्टर ट्रॉली के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया है। साथ ही ऐसे किसी भी वाहन को दिल्ली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जिनमें लाठी, डंडे, तलवार या अन्य हथियार हों। प्रदर्शन में बंदूक, घातक हथियार और अन्य किसी भी ऐसी वस्तु को प्रतिबंधित किया गया है जिसका इस्तेमाल शांति व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए हो सकता है। ईंट, पत्थर, एसिड, पेट्रोल और सोडा पानी आदि को एकत्रित करने पर भी बैन है। पुलिस ने आदेश में कहा कि दिल्ली की सभी सीमाओं पर सुरक्षा जांच होगी। किसी भी वाहन में यदि लाठी, रॉड, बैनर जैसे सामान मिलते हैं तो उन्हें दिल्ली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। भड़काऊ

नारे, भाषण या संदेश पर रोक रहेगी और ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जबकि बिना अनुमति के किसी वाहन, इमारत, निजी या सार्वजनिक इमारत से लाउड स्पीकर के इस्तेमाल पर रोक होगी। धारा 144 को लेकर दिल्ली के सभी निवासियों, नेताओं और हितधारकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा गया है कि सरकार की ओर से आयोजित बैठक और ड्यूटी पर जा रहे सरकारी कर्मचारियों को प्रतिबंधों से छूट रहेगी।

अयोध्या जा रही विशेष आस्था ट्रेन पर नंदुरबार के निकट पथराव, जांच में जुटी पुलिस

सूरत ।

रामलला के दर्शनार्थियों को लेकर जा रही विशेष आस्था ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है. यह घटना बीती रात महाराष्ट्र के नंदुरबार के निकट हुई. इस ट्रेन में प्रभु श्रीराम का दर्शन करने जा रहे सूरत के सैंकड़ों श्रद्धालु सवार थे. घटना के हरकत में आई रेलवे पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है. गत 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ रहा है. रामलला के दर्शनार्थियों के लिए देश के विभिन्न राज्यों से सरकार विशेष आस्था ट्रेन चला रही है. रविवार की शाम सूरत से केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने विशेष आस्था ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया था. इस ट्रेन में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता समेत सैंकड़ों यात्री सवार थे. देर रात महाराष्ट्र के नंदुरबार के निकट पहुंची ट्रेन पथराव किया गया. अचानक पथराव से ट्रेन में सवार श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई. अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए पथराव के बाद रेल प्रशासन भी हरकत में आ गया. विश्व हिन्दू

परिषद से जुड़े अभिषेक राजपूत ने बताया कि नंदुरबार के निकट ट्रेन पर पथराव किया गया.

रेलवे स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर दूर ट्रेन के तीन कोच पर पथराव किया गया. हांलाकि ऐहतियात बरतते हुए यात्रियों ने ट्रेन की खिड़की और दरवाजे बंद कर दिए. नंदरबार रेलवे स्टेशन पर पथराव की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है.

बनभूलपुरा हिंसा मामला : मुख्यमंत्री धामी का बड़ा बयान, अवैध अतिक्रमण वाली जगह बनेगा थाना

देहरादून/हरिद्वार.

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई हिंसा के बाद पुलिस का एक्शन जारी है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी सख्त एक्शन दिखाई दे रहा है. सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री धामी ने बनभूलपुरा हिंसा पर सख्त कार्रवाई की बात कही. मुख्यमंत्री ने कहा कि बनभूलपुरा में जिस जगह से अवैध अतिक्रमण हटाया गया है, वहां पर अब पुलिस थाने का निर्माण किया जाएगा. उपद्रवियों और दंगाइयों के लिए हमारी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि, देवभूमि की शांति से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा, उपद्रवियों के लिए उत्तराखंड में कोई स्थान नहीं है.

फ्लोर टेस्ट में पास हुई नीतीश सरकार, विपक्ष ने किया वॉकआउट

-पहले अविस्वास प्रस्ताव लाकर स्पीकर चौधरी को हटाया, बाद में हुई वोटिंग

पटना।

आखिरकार नीतीश सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। जबकि बिहार विधानसभा में सोमवार को फ्लोर टेस्ट की वोटिंग से पहले विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। वहीं सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में मुख्यमंत्री ने बोलना चाहा, लेकिन जैसे ही बोलने के खड़े हुए तो आरजेडी विधायक हंगामा करने लगे। तब नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा कि लोग मुझे सुनना नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइए। इस दौरान सीएम नीतीश ने तेजस्वी के माता-पिता का जंगलराज याद दिलाया। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या कि मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं? तेजस्वी यादव ने कहा, मैं खुश हूं कि कर्पूरी ठाकुरजी को भारत रत्न दिया गया। हालों कि उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है। आप हमारे साथ आइए और हम आपको भारत रत्न देंगे। तेजस्वी यादव ने फ्लोर टेस्ट से पहले ही कह दिया कि आज हमें बोलने दीजिए, कल से हम जनता के बीच रहेंगे, जनता की भलाई का काम करते रहेंगे। सदन में इस दौरान तेजस्वी जिंदाबाद के नारे भी लगे। हालों कि विधानसभा के बाहर आरजेडी ने हंगामा किया। इस दौरान आरजेडी कार्यकर्ताओं पर पु लिस द्वारा लाठीचार्ज भी किया गया। सदन में इससे पहले अविश्वास प्रस्ताव पास कर स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को हटा दिया गया। बता दें कि स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 वोट पड़े। वहीं राजद के तीन विधायकों ने पाला बदलने के संकेत देते हुए चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी सत्ता पक्ष की ओर बैठे। वहीं जेडीयू विधायक दिलीप राय विधानसभा ही नहीं पहुंचे।

कतर की जेल में बंद पूर्व भारतीय नौसैनिकों की सकुशल वापसी भारत सरकार के विशेष प्रयासों का नतीजा : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कतर की जेल में बंद पूर्व भारतीय नौसैनिकों की सकुशल वापसी को भारत सरकार के विशेष प्रयासों का नतीजा बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि नेवी वेटरेंस को जिस प्रकार से वापस लाया गया, वो भारत सरकार के विशेष प्रयासों का एक नतीजा है। उन्होंने कहा कि घर वापसी और राष्ट्र के साथ-साथ विश्व भर में हिंदुस्तानी कहीं भी रह रहे हो, उनके हितों का संरक्षण करना प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता रही है। नेवी वेटरेंस की सकुशल वापसी के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्मृति ईरानी ने उन तमाम ऑपरेशन का भी जिक्र किया जब मोदी सरकार अलग-अलग ऑपरेशन चलाकर दुनिया के अलग-अलग देशों में फंसे भारतीयों को सकुशल वापस लेकर आई थी। ईरानी ने कहा कि अगर वर्ष दर वर्ष मोदी सरकार के प्रयासों को देखा जाए तो ऑपरेशन गंगा में 22 हजार हिंदुस्तानी यूक्रेन से लौटे थे। ऑपरेशन कावेरी चलाकर सूडान में फंसे 2,500 हिंदुस्तानियों को वापस लाया गया। नेपाल में भूकंप के समय वहां फंसे 5 हजार हिंदुस्तानियों को

ऑपरेशन मैत्री के माध्यम से वापस लाया गया। कोविड के संकट काल में वंदे भारत मिशन के जरिए 2 करोड़ से ज्यादा हिंदुस्तानी घर लौटे। उन्होंने आगे कहा कि जो नेवी वेटरेंस कतर से वापस लौटे हैं, हम सब कृतज्ञता की भावना से उनका स्वागत करते हैं।

वैदिक ऋषि ही नहीं बल्कि राष्ट्र ऋषि भी थे महर्षि दयानंद : पीएम मोदी

आर्य समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पीएम वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए

मोरबी।

स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि महर्षि दयानंद वैदिक ऋषि ही नहीं बल्कि राष्ट्र ऋषि भी थे। उन्होंने देश के युवाओं को नई दिशा देकर शिक्षा का प्रसार किया। पीएम मोदी ने गुजरात के मोरबी में स्वामी दयानंद की जन्मस्थली टंकारा में आयोजित एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि 'महर्षि दयानंद केवल वैदिक ऋषि ही नहीं बल्कि राष्ट्र ऋषि भी थे। श्री मोदी ने स्वामी जी के योगदान का सम्मान करने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आर्य समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने पर खुशी व्यक्त की। पिछले साल इस महोत्सव के उद्घाटन में अपनी भागीदारी पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जब ऐसी महान आत्मा का योगदान इतना असाधारण है तो उनसे जुड़े उत्सवों का व्यापक होना स्वाभाविक है।' प्रधानमंत्री ने ऐसे उल्लेखनीय व्यक्तित्वों की विरासत को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम हमारी नई पीढ़ी को महर्षि दयानंद के जीवन से परिचित कराने के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में काम करेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वामी दयानंद का जन्म गुजरात में हुआ था। वे हरियाणा में सक्रिय रहे थे। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के साथ अपने संबंध पर प्रकाश डाला और अपने जीवन पर स्वामी दयानंद के गहरे प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाओं ने मेरे दृष्टिकोण को आकार दिया है। उनकी विरासत मेरी यात्रा का एक अभिन्न अंग बनी हुई है। उन्होंने स्वामी जी की जयंती के अवसर पर भारत और विदेश में लाखों अनुयायियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के शुरुआती वर्षों में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं वर्षगांठ आ गई है। स्वामी जी के मन में भारत के प्रति जो विश्वास था, उस विश्वास को हमें अमृतकाल में अपने आत्मविश्वास में बदलना होगा। स्वामी दयानंद आधुनिकता के समर्थक और मार्गदर्शक थे। श्री मोदी ने दुनिया भर में आर्य समाज संस्थानों के व्यापक नेटवर्क को स्वीकार करते हुए कहा कि 2,500 से अधिक स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों और 400 से अधिक गुरुकुलों में छात्रों को शिक्षित करने के साथ, आर्य समाज आधुनिकता और मार्गदर्शन का एक जीवंत प्रमाण है। उन्होंने समुदाय से 21वीं सदी में नए जोश के साथ राष्ट्र निर्माण की पहल की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। डीएवी संस्थानों को 'स्वामीजी की जीवित स्मृति' बताते हुए, उन्होंने उनके निरंतर सशक्तिकरण का आश्वासन

भी दिया। पीएम ने सभी अनुयायियों से डीएवी एजुकेशनल नेटवर्क के माध्यम से छात्रों को माय भारत में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

कच्चे बोरबेल में 90 फीट नीचे 7 दिनों से फंसी है महिला

गंगानगर सिटी । एक महिला पिछले सात दिनों से कच्चे बोरबेल में 90 फीट की गहराई पर फंसी हुई है। इसके लिए बाजू से 100 फीट ड्रीलिंग भी कर ली गई है, लेकिन पानी और कीचड़ ने रास्ता रोक दिया है। हालांकि एनडीआरएफ के जवान बारी-बारी से ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क लगाकर गड्ढे में उतरे और बोरबेल तक चार फीट लंबी व ढाई फिट चौड़ी सुरंग बनाने का काम शुरू किया है। सुरंग बनाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि जल्द ही महिला को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार राजस्थान के गंगापुर सिटी जिले में एक महिला 7 दिन पहले बोरवेल में गिर गई थी, जिसे रेस्क्यू करने के लिए 6 दिन से ऑपरेशन चल रहा है। घटना बामनवास क्षेत्र के रामनगर ढोसी गांव की बताई जा रही है, जहां खेत में बने एक कच्चे बोरवेल में महिला गिर गई थी। मिली जानकारी के अनुसार विगत छह दिनों से एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमें महिला को बाहर निकालने का लगातार प्रयास कर रही हैं। लेकिन बार-बार आ रही बाधाओं के चलते रेस्क्यू में देरी हो रही है। बताया जा रहा है कि बोरवेल में 90 फीट की गहराई पर महिला फंसी हुई है। रेस्क्यू टीम ने बोरवेल के समीप 100 फीट गहरा गड्ढा खोदा है। लेकिन गड्ढे में पानी आने से सुरंग बनाने व महिला को रेस्क्यू करने में दिक्कतें आ रही हैं। गड्ढे से बोरवेल तक चार फीट लंबी ब ढाई फिट चौड़ी सुरंग बनाई जानी है। गड्ढे में भरे पानी को पम्प सेट के माध्यम से बाहर निकाला जा रहा है। लोगों ने बताया कि गत 6 फरवरी की रात 8 बजे एक 25 वर्षिय महिला मोना बैरवा खेत में गई थी और धोखे से वहां बने कच्चे बोरवेल में गिर कर फंस गई। महिला के देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह कच्चे बोरवेल के पास महिला की चप्पल दिखाई दी, तो परिजनों को उसके बोरवेल में गिरने का अंदेशा हुआ। परिजनों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी। तब एनडीआरफ को भी सूचित किया गया और एक मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंची। बोरवेल 90 से 100 फीट गहरा बताया जा रहा है। जहां एसडीआरएफ व एनडीआरफ की टीमें बुधवार शाम करीब 5 बजे मौके पर पहुंचीं और तभी से रेस्क्यू ऑपरेशन भी शुरू कर दिया है, जो अभी तक चल रहा है।

दिल्ली में चल रही बर्फीली हवाओ ने ठिठुराया, बारिश की बनी संभावना

नई दिल्ली । पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। यहां मौसम के बदलते रंग के साथ ठिठुरन बढ़ गई है। जहां दिन में खिली धूप तो सुबह और शाम सर्द हवाओं का प्रकोप बना रहता है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहेगा। उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड के साथ उत्तर भारत के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली में मौसम का मिजाज स्थिर नहीं हो पा रही है। सुबह के समय में सर्द हवाएं तो सुबह कोहरा और दिन में चमकीली चटक धूप का खेल जारी है। हर पहर मौसम बदलाव के मोड़ पर है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और बिहार साथ-साथ उत्तर भारत के कई इलाकों में 10 से 14 फरवरी तक बारिश होने की संभावना के चलते अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दिल्ली में रविवार को सुबह के तापमान में जहां खासी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एक बार फिर कोहरे का असर भी देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिन सुबह-शाम की ठंडक बनी रहेगी। जबकि दिन में निकलने वाली धूप के चलते ठंड से राहत भी मिलती रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिन सुबह के समय हल्का कोहरा रह सकता है। हवा की रफ्तार चार से आठ किमी के बीच रहेगी। बुधवार को हल्की वर्षा की संभावना है। बिहार में एक बार फिर मौसम अपना करवट बदलने वाला है। अनेक हिस्सों में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं अब वहीं मौसम विभाग का कहना है कि 18 फरवरी तक बिहार में ठंड से राहत नहीं मिलेगी। हालांकि दिन में धूप निकलने के कारण लोगों को फिलहाल राहत मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अगले तीन दिनों तक राज्य का वातावरण शुष्क बना रहेगा। उसके बाद राज्य में वर्षा के आसार बन रहे हैं।

एलओसी के पास पुंछ में सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन पर की गोलाबारी

श्रीनगर । एलओसी के पास सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलाबारी की है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन के उड़ने की अधिकारियों जानकारी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन रविवार देर रात भारतीय क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने कहा कि मेंढर के नार मनकोट इलाके में दुश्मन के ड्रोन की गतिविधि देखी गई, जिसके बाद नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों ने उसे गिराने के लिए उस पर कम से कम तीन गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सैनिकों की गोलीबारी के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने बताया कि इलाके में लगातार सघन तलाशी अभियान जारी है। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से नशीले पदार्थों, हथियारों और विस्फोटक सामग्री को गिराने के लिए भेजे जाने वाले ड्रोन के बारे में सूचना देने वालों को तीन लाख रुपये का नकद इनाम देने की हाल में घोषणा भी कर दी है।

मछली पकड़ने वाली नाव बीच समंदर में हुई खराब, 168 घंटे फंसे रहे 11 भारतीय

मुंबई। भारतीय तट रक्षक जहाज विक्रम ने मछली पकड़ने वाली नाव आईएफबी किंग के चालक दल के 11 सदस्यों को बचाया, जो 5 फरवरी से इंजन की खराबी के कारण गहरे समुद्र में फंसे हुए थे। आईसीजी अधिकारियों ने पुष्टि की, कि नाव को मिनिकॉय द्वीप के 280 समुद्री मील पश्चिम से सुरक्षित रूप से खींच लिया गया और आईसीजीएस मिनिकॉय को सौंप दिया गया। इसमें कहा गया है कि मत्स्य पालन विभाग के सहयोगात्मक प्रयास से नाव को मिनिकॉय हार्बर में आश्रय दिया गया है। बता दें कि नौका पर क्रू के 11 सदस्य थे। तटरक्षक बल ने अपने जहाज विक्रम की मदद से नौका को खींचकर तट पर पहुंचाया। भारतीय तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में बताया कि मछली पकड़ने वाली नौका का इंजन खराब हो गया था और वह बीती 5 फरवरी से अरब सागर में फंसी हुई थी। मछुआरों ने मदद मांगी तो भारतीय कोस्ट गार्ड ने मदद पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना विक्रम जहाज को घटनास्थल पर भेजा। मछुआरे लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप से 280 नॉटिकल मील दूर पश्चिम में सागर के मध्य फंसी थी। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद भारतीय तटरक्षक बल के जहाज विक्रम ने नौका को खींचकर मिनिकॉय द्वीप के तट पर पहुंचा दिया। बता दें कि लक्षद्वीप का मिनिकॉय द्वीप अरब सागर में स्थित है।

केरल के पटाखा गोदाम में तेज धमाके से एक व्यक्ति की मौत, 16 घायल

कोच्चि। केरल के कोच्चि के त्रिपुनिथुरा में एक आवासीय क्षेत्र में संचालित अवैध पटाखा गोदाम में सोमवार को हुए भीषण विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा महिलाओं और बच्चों सहित 16 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चार घायलों की हालत कथित तौर पर गंभीर है और उन्हें विशेषज्ञ देखभाल के लिए नजदीकी अस्पताल से कलामासेरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन के अनुसार, मृत व्यक्ति की पहचान तिरुवनंतपुरम के रहने वाले विष्णु के रूप में की गई, लेकिन अन्य विवरण उपलब्ध नहीं हो पाया है। विस्फोट के सटीक कारण का हालांकि अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन मौके पर पहुंचे दमकल एवं बचावकर्मियों ने कहा कि गोदाम में लाए गए भारी मात्रा में पटाखों में एक साथ विस्फोट होने की आशंका है। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि यह एक भीषण विस्फोट था, जिसके कारण कई किलोमीटर दूर तक कंपन महसूस किये गये। उन्होंने कहा कि स्थानीय अग्निशमन केंद्र पर भी झटके महसूस किए गए और वे विस्फोट की तेज आवाज से चिंतित होकर घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। अधिकारी ने बताया कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, लेकिन इससे पहले ही आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हो चुका था। दमकल विभाग के सहायक स्टेशन अधिकारी ने मीडिया को बताया, 'हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि इस घनी आबादी वाले इलाके में पटाखा गोदाम संचालित किया जा रहा है। इसे संचालित करने वालों ने इसके लिए कोई अनुमति नहीं ली थी।' यह स्पष्ट करते हुए कि विस्फोट का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है, उन्होंने कहा कि वे स्थानीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी पर भरोसा कर रहे हैं जिन्होंने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब एक वाहन से पटाखे गोदाम में उतारे जा रहे थे। अधिकारी ने कहा, 'स्थानीय लोगों ने कहा कि गोदाम कुछ समय से इलाके में संचालित किया जा रहा था और स्थानीय मंदिर उत्सव के हिस्से के रूप में पटाखों का भंडारण किया गया था।

पलटने की गारंटी पर तेजस्वी ने पीएम मोदी से किया सवाल

-सदन में विश्वास प्रस्ताव के दौरान नीतीश के सामने पूर्व डिप्टी सीएम ने सुनाई खरी-खरी

पटना(एजेंसी)। तेजस्वी यादव ने सोमवार को विधानसभा में पीएम मोदी से सवाल किया। उन्होंने कहा कि मोदी इस बात की गारंटी लेंगे कि नीतीश कुमार अब नहीं पलटेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 9 बार सीएम बनकर इन्होंने रिकॉर्ड बना दिया है। लेकिन एक टर्म में ही तीसरी बार शपथ लेकर भी इतिहास रच दिया गया है। तेजस्वी यादव की यह बात सुनकर सदन में जोर-जोर से ठहाके लगने लगे। बता दें कि बिहार विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चर्चा चल रही है। इस दौरान तेजस्वी यादव अलग ही अंदाज में नजर आए। पूर्व डिप्टी सीएम ने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधते हुए उन्हें राजा दशरथ भी बता दिया।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की तुलना दशरथ से कर दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री हमारे लिए आदरणीय थे, हैं और हमेशा रहेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया वो सही नहीं किया। तेजस्वी यादव ने इस दौरान पीएम मोदी से भी सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा कि क्या मोदी जी इस बात की गारंटी लेंगे कि नीतीश दोबारा पलटेंगे या नहीं?

तेजस्वी यादव ने कहा कि कई बार सीएम नीतीश कुमार हमें बोलते रहे की तुम हमारे बेटे की तरह हो, हम भी नीतीश कुमार को राजा दशरथ की तरह ही पिता मानते हैं, इनकी मजबूरी रही होगी जैसे राजा दशरथ की रही थी कि भगवान राम को वनवास भेज दिया गया। हालांकि, हम इसे वनवास नहीं मानते हैं। हमें तो इन्होंने (जनता के बीच भेजा है, उनके सुख और दुख का भागीदार बनने के लिए। तेजस्वी ने यह भी कहा कि मैं इस नई सरकार के खिलाफ खड़ा हूं। इस दौरान तेजस्वी यादव ने सदन में नीतीश कुमार को एक ही टर्म में तीन बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी। इस पर सदन में ठहाके लगने लगे।

जयंत चौधरी के बीजेपी में जाने पर नरेश टिकैत खफा, करनी चाहिए थी सलाह

बागपत । भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि जयंत चौधरी को बीजेपी के साथ जाने से पहले अपने साथी नेताओं से भी बात करनी चाहिए थी। उन्होंने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के एनडीए में शामिल होने पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी को ऐसा फैसला करने से पहले उन लोगों से बात करनी चाहिए था जो दशकों से उनके साथ हैं। नरेश टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए जयंत चौधरी के एनडीए में शामिल होने की चर्चा पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कब दुश्मन-दोस्त बन जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। जयंत चौधरी की अपनी सोच है, लेकिन उन्हें कम-से-कम उन लोगों से सलाह तो करनी चाहिए थी जो तीन पीढ़ियों से उनके साथ काम रक रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष ने आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे और वह भारत रत्न के हकदार थे। उन्हें यह सम्मान पहले ही मिलना चाहिए था। किसानों ने पहले ही चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न की मांग की थी। सरकार को अब किसानों की ज्वलंत समस्याओं का भी समाधान करना चाहिए। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी ने केंद्र सरकार की जमकर सराहना की थी। इसके बाद उनके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीएमें जाने की अटकलें तेज हो गई हैं।

शिवसेना, एनसीपी के बाद अब कांग्रेस की बारी !

अशोक चव्हाण के साथ 10-12 विधायक बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक चव्हाण ने लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को एक और झटका देते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा द्वारा सबसे पुरानी पार्टी छोड़ने के कुछ दिनों बाद आया है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नाना पटोले को लिखे अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि मैं 12/02/2024 को दोपहर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप रहा हूं। 65 वर्षीय नेता ने विधायक पद से अपना इस्तीफा भी स्पीकर को भेज दिया है।

इस्तीफे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चव्हाण ने कहा कि मैंने विधायक के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से अपना इस्तीफा दे दिया है। एक दो दिनों में मैं तय करूंगा कि आगे क्या करना है। मैंने कांग्रेस के लिए पूरा काम किया है। मेरी जिंदगी लेकिन मैं अब विकल्पों की तलाश में हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवन में एक कांग्रेसी रहा हूं और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया है। मुझे नहीं लगता कि हर बार हमें यह बताना होगा कि मैंने पार्टी क्यों छोड़ी है; यह मेरा निजी कारण है।

बीजेपी से मिल सकती है राज्यसभा सीट

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी चव्हाण को राज्यसभा सीट की पेशकश कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि 10 से 12 विधायक भी चव्हाण के संपर्क में हैं और आने वाले समय में पाला बदल लेंगे। चव्हाण के अगले कदम के बारे में अटकलों के बीच, भाजपा नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंतजार करने और देखने के लिए कहा कि क्या होगा।

चव्हाण के इस्तीफे पर कांग्रेस ने कहा : जांच एजेंसियों का दबाव है वजह

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को कहा कि जो लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं उन पर जांच एजेंसियों का दबाव है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जो नेता किसी न किसी वजह से खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं कि उनके लिए भारतीय जनता पार्टी की 'वाशिंग मशीन' वैचारिक प्रतिबद्धता के मुकाबले ज्यादा आकर्षक रहेगी। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। ऐसी अटकलें हैं कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जब मित्र और सहकर्मी उस राजनीतिक दल को छोड़ देते हैं जिसने उन्हें बहुत कुछ दिया है - शायद उससे भी अधिक जिसके वे हकदार थे, तो यह हमेशा पीड़ा का विषय होता है। लेकिन जो लोग असुरक्षित महसूस करते हैं, उनके लिए वह 'वॉशिंग मशीन' हमेशा वैचारिक प्रतिबद्धता या व्यक्तिगत वफादारी से अधिक आकर्षक साबित होगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सीख

-गोंदिया में सरकारी मेडिकल कॉलेज के नए भवन का हुआ भूमिपूजन

गोंदिया (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सीख दी है। उन्होंने रविवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का सपना तभी साकार हो सकता है, जब सभी देशवासियों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि तभी देश पूर्ण रूप से शक्तिशाली बन सकेगा। महाराष्ट्र के गोंदिया में सरकारी मेडिकल कॉलेज के नए भवन के भूमिपूजन समारोह में बोलते हुए श्री धनखड़ ने सभी से स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने और आयुर्वेद जीवन शैली को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह देश की एक अनमोल सांस्कृतिक विरासत है। आयुष्मान भारत योजना के जरिए देश के नागरिकों को दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कवर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से न केवल नागरिकों को इलाज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी बहुत प्रभावी ढंग से प्रदान की जा रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम अच्छे स्वास्थ्य का ध्यान रखकर नये भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। यह कहते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के कारण योग दुनिया भर में पहुंच गया है, श्री धनखड़ ने कहा कि पहले साधारण बीमारियों के इलाज के लिए भी विदेश जाना पड़ता था। अब देश में हर जगह उन्नत उपचार उपलब्ध हैं।

उपराष्ट्रपति ने महाराष्ट्र में उपलब्ध चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जिला स्तर पर सुपरस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करने की पहल सराहनीय है। इससे आम लोगों को बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने दवाओं की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के सरकार के प्रयासों की सराहना की। श्री धनखड़ ने प्राचीन आयुर्वेद जीवन शैली को संरक्षित करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने में अग्रणी है और बताया कि सरकारी अस्पतालों में सभी सेवाएं मुफ्त प्रदान की जाएंगी।

सिद्धारमैया ने तोड़े रिकॉर्ड : 90 लोगों को प्रसाद की तरह बांटा कैबिनेट मंत्री का दर्जा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बने हुए अभी सालभर भी नहीं हुआ है। लेकिन असंतुष्टे की फौज खड़ी हो गई। यही वजह है कि राज्य की सिद्धारमैया सरकार ने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 90 लोगों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर उन्हे खुश करने की कोशिश की है। इसमें 77 विधायक और 9 अन्य लोग शामिल हैं। कर्नाटक के इतिहास में पहली बार है जब इतने लोगों को मंत्री का दर्जा दिया गया है। अलग-अलग वर्गों को संतुष्ट करने के लिए सिद्धारमैया सरकार ने 77 विधायकों और चार एमएएलसी को मंत्री का दर्जा दिया। कर्नाटक में कांग्रेस के कुल 135 विधायक हैं। इसमें मंत्रियों के अलावा कॉर्पोरेशन और बोर्ड के अध्यक्षों, मुख्यमंत्री के कई सलाहकारों और यहां तक कि विधानसभा और विधानसभा में पार्टी के चीफ विप को भी कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री के जिन 9 सलाहकारों की नियुक्ति की गई है वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इसमें कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करवाने वाले सुनील कानुगोली, मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. एच रविकुमार, पूर्व आईएएस और ब्रैंड बेंगलुरु एक्सपर्ट पीएस पाटिल और डॉ. आरती कष्ण शामिल हैं। बता दें कि कैबिनेट मंत्री को कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। जैसे कि वह 14 स्टाफ को हायर कर सकता है। इसके अलावा उसे सरकारी गाड़ी के साथ ही अंगरक्षक दिए जाते हैं। उसे तनख्वाह भी मिलती है। बता दें कि दर्जा प्राप्त मंत्री कोई संवैधानिक पद नहीं होता है। लोगों को खुश करने के लिए अलग-अलग निगम और परिषद का चेयरमैन बना दिया जाता है। ये लोग मंत्रिपद की शपथ भी नहीं लेते हैं। ना तो इसके लिए किसी लिखित आदेश की जरूरत होती है। चुनाव के गणित को देखते हुए भी सरकार कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे देती है।

पहले बेटी ने राममंदिर के विरोध में रखा था व्रत, अब पिता मणिशंकर अय्यर जप रहे हैं पाकिस्तान की माला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान की अंध भक्ति कैसे की जाती है, ये कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर से बेहतर कोई नहीं जानता होगा। हाल ही में उन्होंने लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए पाकिस्तान की जमकर तारीफ की। वहां का स्नेह और पाकिस्तान का प्यार अय्यर को इतना भाया की, अपने भाषण में वे पाकिस्तान... पाकिस्तान... की ही माला जपते रहे। बता दें कि हाल ही में अय्यर की बेटी सुरन्या अय्यर से जुड़ा एक मामला भी सामने आया था, जहां उन्होंने अयोध्या में निर्मित राम मंदिर के विरोध में उपवास रखने का ऐलान किया था। इसके चलते आरडब्ल्यूए की तरफ से उन्हें नोटिस भी मिला था और माफी मांगने के लिए कहा गया था। हालांकि, उन्होंने दावा किया था कि जिस सोसाइटी की तरफ से उन्हें पत्र लिखा गया है, वह वहां नहीं रहती हैं। सुरन्या ने 19 जनवरी को एक सोशल मीडिया पोस्ट में भारत के मुसलमानों के समर्थन में उपवास का ऐलान किया था। बीते सप्ताह ही सुरन्या के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के वकील अजय अग्रवाल ने दिल्ली के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अग्रवाल के आरोप थे कि अय्यर ने 20 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रामलला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, अय्यर ने कहा, मेरे अनुभव से पाकिस्तानी ऐसे लोग हैं, जो दूसरे पक्ष के लिए जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया देते हैं। अगर हम दोस्ती का व्यवहार रखते हैं, तो वे और ज्यादा दोस्ती रखते हैं। अगर हम शत्रुतापूर्ण बर्ताव करते हैं, तो वे और भी ज्यादा शत्रुतापूर्ण हो जाते हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की भी जमकर आलोचना की। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि आज तक किसी भी दूसरे देश में मेरा ऐसा स्वागत नहीं किया गया जितना पाकिस्तान में किया गया। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, अय्यर ने शनिवार को लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव के दौरान यह बात कही। अय्यर ने कहा कि जब वह कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में तैनात थे तो हर किसी ने उनकी और उनकी पत्नी की खातिरदारी की। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता ने सुझाव दिया कि व्यापारियों, छात्रों और शिक्षाविदों को दोनों देशों की सरकारों को दरकिनार करते हुए भारत और पाकिस्तान के बाहर मिलना जारी रखना चाहिए।

यूट्यूबर एल्विश यादव ने शख्स को मारा थप्पड़, जमकर हुई हाथापाई

जयपुर । रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भाग लेने वाले एल्विश यादव ने एक शख्स को जमकर थप्पड़ मार दिया है। इसके बाद लोग तरह तरह के कामेंट्स कर रहे हैं। बता दें कि काफी लोकप्रिय हो चुके यूट्यूबर एल्विश यादव की सोशल मीडिया पर बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। वे कुछ म्यूजिक वीडियो में भी नजर आते रहे हैं। फिलहाल वे किसी को थप्पड़ मारने के कारण से सुर्खियों में आए हैं। मी?डिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 26 वर्षीय एल्विश यादव ने जयपुर के एक रेस्टोरेंट में एक आदमी को थप्पड़ मार दिया। जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने एल्विश यादव के परिवार पर कमेंट किया, जिसके बाद उन्होंने गुस्से में थप्पड़ मार दिया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर इस समय काफी वायरल हो रहा है। कुछ फैन बता रहे हैं कि उस शख्स ने एल्विश पर गलत कमेंट्स किए थे जिससे वे नाराज हो गए।

राज्यसभा के चुनाव में भी ममता ने कांग्रेस को दिया झटका, चल दिया लोकसभा का दांव

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी ने रविवार को राज्यसभा की चार सीटों के चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इस बार अभिषेक मनु सिंघवी को दरकिनार करते हुए ममता बनर्जी ने प्रोफेशनल कोटे से पत्रकार सागरिका घोष को टिकट दिया है। यह कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल इससे पहले ममता बनर्जी ने कांग्रेस के कम विधायक होने के बावजूद अपने विधायकों से समर्थन दिलवाकर वकील अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा भिजवाया था। ढृह्यष्ठढ्ढ गठबंधन में बिखराव की खबरों के बीच यह कांग्रेस के लिए एक और बड़ा झटका है। वहीं ममता बनर्जी ने चार उम्मीदवारों के जरिए लोकसभा चुनाव के समीकरण भी साधने की कोशिश की है।

ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पत्रकार सागरिका घोष, राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, मतुआ समुदाय से आने वाली ममता बाला ठाकुर और पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक को राज्यभा भेजने का फैसला किया है। 27 फरवरी को राज्यसभा के चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने महिला वोटर्स को लुभाने के लिए चार में से तीन महिलाओं को टिकट दिया है। वहीं मतुआ और अल्पसंख्यकों को साधने के लिए भी दो नामों का ऐलान किया है।

सुष्मिता देव ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने मुझे एक बार फिर राज्यसभा के लिए अवसर दिया है। मैं उनकी आभारी हूं।

ममता बाला ठाकुर को टिकट देकर ममता बनर्जी ने 2024 चुनाव के लिए बड़ा दांव खेला है। मतुआ लीडर ममता ठाकुर का नाम इसलिए अहम है क्योंकि हाल ही में अमित शाह ने ऐलान किया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू किया जाएगा। ऐसे में ममता बनर्जी मतुआ समुदाय को साधने की कोशिश कर रही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में ममता ठाकुर को शांतनु ठाकुर के खिलाफ टिकट दिया गया था। भाजपा के शांतनु के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

ममता बनर्जी ने कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी को समर्थन देने की बजाय इस बार पत्रकार सागरिका घोष को राज्यसभा भेजने का फैसला किया जो कि टीएमसी की सदस्य भी नहीं हैं। बताया जा रहा है कि सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ डील ना हो पाने की वजह से उन्होंने सिंघवी को किनारे कर दिया। कांग्रेस की बात करें तो उसके खाते में 10 ही सीटें जाती दिख रही हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सबको संतुष्ट कर पाना मुश्किल हो रहा है। वहीं सूत्रों का कहना है कि इस बार सोनिया गांधी भी राज्यसभा जा सकतीहैं।

स्टब बने फिनलैंड के राष्ट्रपति, चुनाव में हुई जीत

हेलसिंकी । अलेक्जेंडर स्टब फिनलैंड के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार फिनलैंड में राष्ट्रीय गठबंधन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अलेक्जेंडर स्टब ने रविवार को चुनाव में जीत दर्ज की। फिनलैंड के न्याय मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार श्री स्टब को 51.6 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि स्वतंत्र ग्रीन उम्मीदवार पेक्का हाविस्टो को 48.4 प्रतिशत मत ही मिले। श्री हाविस्टो ने श्री स्टब को चुनाव जीतने पर बधाई दी है। चुनाव विश्लेषक सामी बोर्ग ने कहा कि प्रत्यक्ष लोकप्रिय वोट के युग के दौरान यह परिणाम सबसे कठिन है। चुनाव में 70.7 प्रतिशत मतदान हुआ था।

राफा इलाके में मरने वालों की संख्या सौ से ऊपर पहुंची

गाजा ।गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर राफा और आसपास के इलाकों में मरने वालों की संख्या सौ पार कर गई है। यहां पर इजरायली सेना के भारी हमलों में मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो कि सोमवार को बढ़कर सौ से अधिक हो गई। जबकि महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोग घायल बताए जा रहे हैं। आधिकारिक फ़िलिस्तीनी मीडिया ने यह जानकारी दी है। उसने हा ?लिया रिपोर्ट में कहा है कि इजरायली सेना ने आज तड़के राफा क्षेत्र पर लगभग 40 हवाई हमले किए। हमलों में जमीनी स्तर पर गोलाबारी की गई है। इज़रायली सेना ने अपने एक बयान में कहा कि उसने सोमवार को दक्षिणी गाजा में आतंकवादी ठिकानों पर सिलसिलेवार हमले किए हैं, लेकिन विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। हालांकि गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 28,176 हो गई है, जबकि 67,784 अन्य घायल हुए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि गाजा में इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से यहां के लगभग आधे लोग सुरक्षा की तलाश में मिस्र से सटे राफा शहर में आ गए हैं।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने दो बंधकों को छुड़ाया

येरुसलम ।गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने दो बंधकों को छुड़ाया है। जानकारी के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि उसने सोमवार सुबह गाजा पट्टी में दो बंधकों को छुड़ाया है। इजराइली सेना ने कैद से मुक्त कराए गए व्यक्तियों की पहचान फर्नांडो सिमोन मरमैन (60) और लुइस हार (70) के रूप में बताई है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि हमास के आतंकवादियों ने सात अक्टूबर को किए हमले में किबुत्ज निर यिझाक से इन दोनों को बंधक बनाया था। दोनों को गाजा पट्टी के दक्षिणी सीमावर्ती शहर रफह से छुड़ाया गया है। सेना ने बताया कि दोनों के स्वास्थ्य की स्थिति ठीक है। हालांकि ये उन 136 बंधकों में शामिल थे जो इजराइल के मुताबिक अब भी हमास के कब्जे में हैं।

पाकिस्तान में इस्लामिक स्टेट का आतंकी सरगना हुआ ढेर

करांची । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत खैबर जिले में आतंकवादी सरगना को ढेर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार खुफिया सूचना पर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन दाएश से जुड़े एक आतंकवादी सरगना को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया प्रकोष्ठ इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक इलाके में एक हाई-प्रोफाइल आतंकवादी की मौजूदगी बनी हुई थी। जिसकी सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने एक अभियान चलाया था। सेना ने एक बयान में कहा कि भीषण गोलीबारी के बाद, दाएश (इस्लामिक स्टेट) के हाई-प्रोफाइल आतंकवादी सरगना सूरत गुल उर्फ सैफुल्लाह को मार गिराया गया है। आईएसपीआर के मुताबिक मारे गए आतंकवादी सरगना के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए है। उसके कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहने की जानकारी मिली थी। बता दें कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी लंबे समय से तलाश थी।

जासूसी के आरोपी यूक्रेनियाई व्यक्ति की रशियन जेल में मौत

मास्को ।जासूसी के आरोप में बंद 71 वर्षीय एक कैदी की रूस के कारागार में मौत हो गई है। मानव अ ?धिकार कार्यकर्ताओं ने रविवार को यह जानकारी दी है। मानवाधिकार समूह 'मेमोरियल' को प्राप्त हुए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक रूस ने दिवंगत विक्टर डेमचेंको के खिलाफ अपना मामला बंद कर दिया था। उन पर जासूसी करने, एक आतंकवादी समूह का हिस्सा होने, हथियार और गोला-बारूद रखने का आरोप था। अधिकारियों ने बाद में मीडिया को बताया कि डेमचेंको की 31 दिसंबर को हुई मौत से कई दिन पहले उन्हें स्ट्रोक आया था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि खबर सार्वजनिक होने में इतनी देरी क्यों हुई है। बताया जा रहा है कि डेमचेंको का जन्म यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र के मोस्पिनो शहर में हुआ था। उनके खिलाफ अगस्त, 2023 से दक्षिणी रूसी शहर रोस्तोव-ऑन-डॉन में मुकदमा भी चल रहा था।

गिरजाघर में महिला ने की गोलीबारी, दो लोग घायल, हमलावर ढेर

ह्यूस्टन। टेक्सास के ह्यूस्टन में एक महिला ने गिरजाघर में गोलीबारी की। इस दौरान दो लोग घायल हुए हैं, जबकि पुलिस ने हमलावर महिला को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार प्रमुख ईसाई पादरी जोएल ओस्टीन द्वारा संचालित विशाल गिरजाघर में रविवार को गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए हैं। शहर के पुलिस प्रमुख ट्रॉय फिनर ने कहा कि घायलों में लगभग पांच साल का बच्चा भी शामिल है जिसकी हालत गंभीर है जबकि कूल्हे में गोली लगने से घायल 57 वर्षीय व्यक्ति की हालत स्थिर बताई जा रही है। दोपहर बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में लेकवुड गिरजाघर ने कहा कि गोलीबारी की घटना से अफरा तफरी का माहौल था, इसके बाद कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। फिनर ने कहा कि हमलावर महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष के आसपास होगी, जो लगभग पांच साल के बच्चे के साथ गिरजाघर में दाखिल हुई और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दोपहर एक बजकर 50 मिनट पर गिरजाघर में गोलीबारी की घटना के दौरान दो कानून प्रवर्तन अधिकारी भी मौजूद थे जो उस वक्त ड्यूटी पर नहीं थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने ड्यूटी पर नहीं होने के बावजूद तत्परता दिखाई और महिला पर गोलियां दागीं जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की पहचान अभी उजागर नहीं हुई है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि महिला ने धमकी दी थी कि उसके पास बम है और पुलिस के वहां पहुंचने पर उसने एक अज्ञात पदार्थ का छिड़काव भी किया था। उन्होंने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह पदार्थ क्या था, और उसने ऐसा क्यों किया। हालांकि दमकल विभाग के कर्मचारी जांच करने और घटनास्थल को साफ करने के लिए रवाना हो गए हैं।

मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में 14 भारतीय नेपाल में हुए गिरफ्तार

काठमांडु ।नेपाल पुलिस ने 14 भारतीयों को मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को मादक पदार्थ की तस्करी के अलग-अलग मामलों में कम से कम 14 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 149 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया। नेपाल पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां धरान शहर से हुईं है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि चार भारतीयों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 50 किलोग्राम हशीश बरामद की गई जबकि एक अन्य मामले में पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 99 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक अन्य मामले में 23 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को उसके चार साथियों के साथ मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान में हजारे डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक पक्षपात रहित चुनावों की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए।

आम नागरिकों की सुरक्षा के बिना सैन्य अभियान न चलाने की सलाह

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने आम आदमी की सुरक्षा के बिना सैन्य अभियान न चालाने की सलाह दी है। बाइडन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इजराइल को आम नागरिकों की सुरक्षा की ठोस योजना के बिना गाजा के घनी आबादी वाले रफह शहर में सैन्य अभियान शुरू नहीं करना चाहिए। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी है। बता दें कि मिस्र के दो अधिकारियों और एक पश्चिमी राजनयिक ने कहा था कि मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिकों को रफह में भेजा जाता है तो वह इजराइल के साथ अपना शांति समझौता निलंबित कर देगा। मिस्र की चेतावनी के बाद बाइडन और नेतन्याहू के बीच भी बातचीत हुई है। हालांकि नेतान्याहू ने कुछ दिन पहले भी कहा था कि उन्होंने सेना को दक्षिण गाजा में रफह शहर पर संभावित इजराइली आक्रमण से पहले वहां से लोगों को निकालने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

यूएई भारतीय दूत बोले- अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर भारत और खाड़ी के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण

वाशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबू धाबी में पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूत संजय सुधीर ने इसे भारत और खाड़ी क्षेत्र के बीच स्थायी सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक संबंधों का एक प्रमाण बताया है।

पीएम मोदी 13-14 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। सुधीर ने कहा- ÷ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में यह बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत और खाड़ी देशों के बीच सदियों से चले आ रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव के बारे में बात करता है, हालांकि दुबई और संयुक्त अरब अमीरात के अन्य हिस्सों में कई और मंदिर हैं।÷

भारतीय दूत ने कहा- ÷इस मंदिर की खास बात यह है कि यह जिस पैमाने पर हो रहा है। साथ ही तथ्य यह है कि यह एक ऐसा मंदिर है, जो नेतृत्व के दृष्टिकोण से सामने आया है। कई भक्तों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से निर्माण में भाग लिया,

जो श्रमदान या स्वैच्छिक श्रम के माध्यम से उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मंदिर का पूरा होना एक सामूहिक उपलब्धि है, जो समुदाय द्वारा निवेशित एकता और प्रेम को दर्शाता है। व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की ओर मुड़ते हुए राजदूत सुधीर ने पिछले दशक में भारत-यूएई संबंधों में उल्लेखनीय परिवर्तन को रेखांकित किया। उनके अनुसार, 2015 में पीएम मोदी की यात्रा ने एक नए युग की शुरुआत की, जो पिछले भारतीय प्रधान मंत्री के संयुक्त अरब अमीरात के दौरे के बाद से 34 साल का अंतराल समाप्त हुआ। तब से संबंध तेजी से विकसित हुए हैं, जिसकी परिणति 2017 में एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते और 2022 में हालिया व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर के रूप में हुई।

ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार के और करीब पहुंचे, नेवादा व वर्जिन आइलैंड में जीते

बुडापेस्ट (एजेंसी)। लास वेगास, 12 फरवरी (वेब वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नेवादा और वर्जिन आइलैंड में जीत के साथ रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार की तरफ एक कदम और करीब पहुंच गए हैं।

ट्रंप ने नेवादा में प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली ने काकस के बजाय प्राइमरी चुनाव का विकल्प चुना था, इसलिए ट्रंप यहां इकलौते प्रमुख उम्मीदवार थे। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के सामने डटी हुई हैं। नेवादा में ट्रंप की जीत से उन्हें राज्य के सभी 26 डेलीगेट मिल गए। इस प्रकार वर्जिन आइलैंड से भी चार डेलीगेट हासिल कर लिए है। वर्जिन आइलैंड में ट्रंप को 74 फीसदी तो निक्की को 26 फीसदी वोट मिले।

औपचारिक रूप से पार्टी का नामांकन हासिल करने के लिए उन्हें 1,215 प्रतिनिधियों की आवश्यकता है और वह मार्च में इस संख्या तक पहुंच सकते हैं। गुरुवार को मतदान के दौरान रिनो एरिया के प्राइमरी स्कूल में चुनाव शुरू होने के 20 मिनट बाद लगभग एक हजार की संख्या में ट्रंप के समर्थक मतदान केंद्र पर पहुंच गए थे। उधर, लगातार हार रहीं निक्की ने कहा कि 2024 में महिला राष्ट्रपति होगी, चाहे मैं बनूं या कमला हैरिस, दोनों भारतवंशी हैं।

आतंकी हमले में यूएई के 4 सैनिक समेत बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत

अंकार ।सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से संबद्ध आतंकी समूह अल-शबाब ने ले ली है। अधिकारियों ने उक्त जानकारी रविवार को देते हुए बताया कि इस हमले में यूएई के 4 सैनिक समेत बहरीन का एक सैन्य अधिकारी की मौत हुई है। जानकारी अनुसार आतंकी हमले में, सैन्य अड्डे पर चल रहे प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के 4 सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। यह हमला शनिवार को मोगादिशु में जनरल गॉर्डन सैन्य अड्डे पर सैनिकों को निशाना बनाते हुए किया गया था। इस हमले में किसी अन्य व्यक्ति के मारे जाने की कोई जानकारी नहीं है। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने हमले में यूएई के सैनिकों की मौत पर देश के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यूएई की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने आतंकी हमले से संबंधित जानकारी साझा करते हुए कहा है कि जान गंवाने वालों में एक कर्नल रैंक के अधिकारी समेत दो वारंट अधिकारी और एक सैनिक शामिल हैं।

रूस ने यूक्रेन पर 45 ड्रोन हमले किए, यूक्रेन के युद्ध मंत्रिमंडल में फेरबदल जारी

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस ने साढ़े पांच घंटों के दौरान 45 ड्रोन से हमले किए। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का अपने युद्ध मंत्रिमंडल में बदलाव का दौर जारी है। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान जारी कर बताया कि रूस द्वारा भेजे गए ईरान निर्मित 40 शाहिद ड्रोन को राजधानी कीव के बाहरी इलाके सहित देश के नौ क्षेत्रों में मार गिराया। यूक्रेन के दक्षिणी रक्षा बलों के अधिकारियों ने टेलीग्राम चैनल से जानकारी दी, साढ़े पांच घंटे तक चली लड़ाई में रूस द्वारा कृषि सुविधाओं और तटीय बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि मायकोलाइव क्षेत्र में एक हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया जबकि आग लगने से आसपास की आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा। क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने कहा कि यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्र में एक अन्य व्यक्ति तब घायल हो गया जब नष्ट हुए ड्रोन के मलबे के कारण आग लग गई। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं जब जेलेंस्की जवाबी हमलों की गति बनाए रखने के लिए सैन्य कमांडरों की नियुक्ति में फेर बदल कर रहे हैं। यूक्रेन ने रविवार को घोषणा की कि पूर्व उप रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर पावल्युक यूक्रेन की जमीनी सेना के नए कमांडर होंगे। यह पद पहले कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिर्स्की के पास था। सिर्स्की को गुरुवार को यूक्रेन के निवर्तमान सैन्य प्रमुख जनरल वलेरी जालुजनी के स्थान पर नियुक्त किया गया था। राष्ट्रपति के नए आदेशों के मुताबिक यूक्रेन के समुद्री कोर के पूर्व प्रमुख यूरी सोडोल को अब देश की संयुक्त सेना का नया कमांडर नामित किया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती, अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री को सौंपे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को ''ब्लैडर (मूत्राशय) में समस्या'' से संबंधित लक्षणों के कारण रविवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी। ऑस्टिन के दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन को उनका सुरक्षा दस्ता दोपहर दो बजकर 20 मिनट के आसपास वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले गया।

ऑस्टिन की शुरू में ''अपने कार्यालय के कार्यों'' को पूरा करने की योजना थी, लेकिन रविवार शाम लगभग पांच बजे उन्होंने अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को सौंप दिए। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने बताया कि रविवार शाम तक ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती थे। ऑस्टिन के स्वास्थ्य के बारे में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष के साथ-साथ व्हाइट हाउस और कांग्रेस को भी सूचित किया गया था।

ऑस्टिन मंगलवार को यूक्रेन संपर्क समूह की बैठक आयोजित करने के लिए ब्रसेल्स के लिए प्रस्थान करने वाले थे। उन्होंने 2022 में रूस के आक्रमण के बाद कीव के लिए सैन्य समर्थन के समन्वय के वास्ते इस बैठक की योजना बनायी थी। उसके बाद ऑस्टिन के नाटो रक्षा मंत्रियों की एक नियमित बैठक में भाग लेने का कार्यक्रम था। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने से इन योजनाओं में बदलाव आएगा।

ऑस्टिन को दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था और 22 दिसंबर को इसके इलाज के लिए उन्हें प्रोस्टेटक्टोमी नामक एक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। बाद के सप्ताह में उनमें जटिलताएं पैदा हो गईं और एक जनवरी को अत्यधिक पीड़ा के कारण उन्हें एम्बुलेंस के जरिए द्वारा वाल्टर रीड ले जाया गया जहां उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया। ऑस्टिन 15 जनवरी तक वाल्टर रीड में रहे। फिर उन्होंने स्वास्थ्य लाभ लेते हुए घर से काम करना जारी रखा और वह 29 जनवरी को पेंटागन लौट आए।

1985 में निर्दलियों से बनी थी पूरी संसद, क्या पाकिस्तान में इतिहास दोहराने वाले हैं इमरान खान?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के आम चुनाव नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच दो-तरफा मुकाबले की राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया है। बाधाओं का सामना करने के बावजूद, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दौड़ में सबसे आगे हैं। पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की 253 सीटों में से 92 पर जीत हासिल की है। डॉन के मुताबिक, नवाज शरीफ की पीएमएल-एन को 71 सीटें मिली हैं, जबकि पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी एक दर्जन से ज्यादा सीटों के नतीजे नहीं आए हैं. पाकिस्तान में अनिश्चितता का माहौल है क्योंकि कोई भी पार्टी 133 के बहुमत के आंकड़े को नहीं छू रही है, जिससे गठबंधन सरकार का रास्ता साफ हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गैर-लाभकारी चुनावी निगरानी संस्था फ्री एंड फेयर इलेक्शन नेटवर्क के अनुसार, जीतने वाले उम्मीदवारों में से लगभग 100 निर्दलीय हैं, जिनमें से 92 पीटीआई द्वारा समर्थित हैं। यह पहली बार नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में निर्दलीय पाकिस्तान की संसद के लिए चुने गए हैं। 1985 में, देश में गैर-पार्टी आम चुनाव हुए थे जिसमें प्रत्येक दावेदार ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से चुनाव लड़ा था।

क्या पीटीआई समर्थित निर्दलीय अगली सरकार बनाएंगे?

खान ने एआई-जनरेटेड भाषण में दावा किया है कि उसके संबद्ध उम्मीदवारों ने दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है और धांधली शुरू होने से पहले 150 से अधिक सीटें जीत रहे थे। पीटीआई नेता बैरिस्टर गौहर खान को मीडिया को बताया कि पीटीआई ने 265 नेशनल असेंबली सीटों में से 170 सीटें जीती हैं, जहां चुनाव हुए थे। हम बड़े दावे के साथ दावा करते हैं कि फिलहाल, पीटीआई ने नेशनल असेंबली की 170 सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है। गोहर ने कहा कि इनमें से 94 ऐसे हैं जिन्हें ईसीपी स्वीकार कर रहा है और फॉर्म-47 (अनंतिम परिणाम) जारी कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान प्रधानमंत्री के संबंध में निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी गठबंधन सहयोगियों पर निर्णय लेना बाकी है।

1985 में पाकिस्तान के गैर-पार्टी चुनावों पर एक नज़र

पाकिस्तान ने अपना दूसरा सैन्य तख्तापलट 5 जुलाई 1977 को देखा जब जनरल जिया-उल हक ने पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के तत्कालीन प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के खिलाफ तख्तापलट किया। जबकि सैन्य नेता ने राष्ट्र को 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराने की कसम खाई थी, 1985 में ही जनरल जिया ने वह वादा पूरा किया। पाकिस्तान में चुनाव तो हुए लेकिन किसी भी राजनीतिक दल को भाग लेने की इजाजत नहीं दी गई. इसके लिए जिया ने 1973 के संविधान में संशोधन कर देश के शासन को संसदीय लोकतंत्र से अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली में बदल दिया। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, उन्होंने 8वें संशोधन के माध्यम से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने की शक्तियां भी खुद को दे दीं। पाकिस्तान ने 25 फरवरी 1985 को गैर-दलीय आधार पर चुनाव कराया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जिया का मानना ??था कि इससे उनके लिए एक लोकप्रिय समर्थन आधार बनाने में मदद मिलेगी और राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिनिधियों को प्रभावित किए बिना संसद को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। कुछ राजनीतिक दलों ने अपने नेताओं को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की अनुमति दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के बाद, कुछ पार्टियों ने कई सीटों पर जीत का दावा किया क्योंकि उनके द्वारा समर्थित उम्मीदवार जीत गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1985 के चुनावों में संसद में जमींदार और व्यापारिक दिग्गजों के नए चेहरों का प्रवेश हुआ। डॉन से बात करते हुए पत्रकार वुसअतुल्लाह खान ने कहा कि जनरल जियाउल हक के समय में पूरी संसद निर्दलीयों से बनी थी। ये गैर-दलीय चुनाव दो कारणों से महत्वपूर्ण थे। एक, संसद को परिणामों के बाद राजनीतिक दल बनाने की अनुमति दी गई, जिससे दो-दलीय संसदीय प्रणाली का उदय हुआ। 1985 के बाद से पाकिस्तान का राजनीतिक परिदृश्य फला-फूला क्योंकि पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग पाकिस्तानी मतदाताओं के बड़े हिस्से को अपने बैनर तले समायोजित करने में सक्षम थे। पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना को एहसास हुआ कि देश के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए उसे हमेशा तख्तापलट करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसा लगता है कि वे इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि %निगरानी% अधिपत्य से बेहतर है।

संपादकीय

सत्य है, तथ्य है कि....

सुख का कर्ता कोई और नहीं व्यक्ति स्वयं है । इसी तरह श्रेय अच्छे कार्यों का स्वयं पर लेना वृथा अभिमान है क्योंकि इस जगत में जो कुछ भी किसी के साथ होता है वह निज कर्मों के ही हाथ हैं । सुख और दु:ख धूप-छाया की तरह सदा इंसान के साथ रहते हैं ।लंबी जिन्दगी में खट्टे-मीठे पदार्थों के समान दोनों का स्वाद चखना होता है ।सुख-दु:ख के सह-अस्तित्व को आज तक कोई मिटा नहीं सका है ।जीवन की प्रतिमा को सुन्दर और सुसज्जित बनाने में सुख और दु:ख आभूषण के समान है ।इस स्थिति में सुख से प्यार और दु:ख से घृणा की मनोवृत्ति ही अनेक समस्याओं का कारण बनती है और इसी से जीवन उलझनभरा प्रतीत होता है । हमे जरूरत है इनदोनों स्थितियों के बीच संतुलन स्थापित करने की, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की, एक दुखी आदमी दूसरे दुखी आदमी की तलाश में रहता है। उसके बाद ही वह खुश होता है, यही संकीर्ण दृष्टिकोण इंसान को वास्तविक सुख तक नहीं पहुंचने देता है । अत: हमें अपने अनंत शक्तिमय और आनन्दमय स्वरूप को पहचानना चाहिए तथा आत्मविश्वास और उल्लास की ज्योति प्रज्ज्वलित करनी चाहिए, इसी से वास्तविक सुख का साक्षात्कार संभव है। जो कुछ आप हैं नहीं दूसरों के सामने वो बनना, अथवा वो क्षणिक व्यवहार जो आप द्वारा एक व्यक्ति को प्रभावित करने के लिए उसके साथ किया जाता है।सच माने तो वह दिखावा हैं भलाई घर छोड़कर ही नहीं होती, घर जोड़कर भी हो जाती है।भेष बदलने से ही नहीं ,भाषा बदलने से भी भलाई होती हैं । बुजुर्गों ने सही कहा हैं कि दूसरों की मदद करते हुए यदि दिल में खुशी हो तो वही सेवा है बाकी सब दिखावा है।हम बस भलाई करते रहे बहते पानी की तरह,बुराई खुद ही किनारे लग जाएगी कचरे की तरह ।वैसे भी नेक लोगों की संगत से हमेशा भलाई ही मिलती है क्योंकि हवा जब फूलों से गुज़रती है तो वो भी खुशबूदार हो जाती है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

भारत विरोध के बाद घर में ही घिरने लगे हैं मुइज्जू

हरीश मलिक

मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के भारत विरोधी अभियान के बाद दिल्ली में पिछले दिनों आयोजित सचिव स्तरीय बातचीत में भारत ने अपने सैनिकों को मई तक वापस बुलाने एवं उनकी जगह सिविलियन तकनीशियनों की तैनाती करने की बात कही है। लेकिन एक बात तो तय है कि 'इंडिया आउट' की अपनी भारत विरोधी नीति के चलते मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अपने घर में ही घिर गए हैं। भारत को आंख दिखाने की कोशिश करने वाले मुइज्जू को लगातार अपनों से ही करारा झटका मिल रहा है। विपक्षी दलों के पास मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए पर्याप्त समर्थन है, यदि वे इस पर अमल करेंगे तो राष्ट्रपति संकट में आ जाएंगे। दरअसल, मोइज्जू अब तक भारत विरोध का ही झंडा बुलंद कर रहे थे, लेकिन अब उनका मालदीव में भी तानाशाही रवैया सामने आया है। उन्होंने विपक्षी दलों को संसद में घुसने से ही रोकने का प्रयास किया है। वहीं कैबिनेट के चार सदस्यों को लेकर विपक्ष की मंजूरी न मिलने की वजह से मालदीव की संसद में जमकर हंगामा हुआ। यहां तक कि सांसदों के बीच मारपीट तक हो गई। इसमें मुइज्जू के समर्थक सांसद भी चपेट में आए हैं। इससे पहले राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस यानी पीएनसी राजधानी माले में ही बड़ा चुनाव हार गई। माले में मेयर चुनाव में मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी यानी एमडीपी के एडम अजीम को जीत मिली, जो भारत समर्थक माने जाते हैं। इस जीत के साथ ही माले की जनता ने भी भारत के समर्थन और मुइज्जू की नीति के विरोध पर मुहर लगा दी। दरअसल, मुइज्जू मालदीव की जनता को यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे अपने 'इंडिया आउट' के चुनावी वादे को अमलीजामा पहना रहे हैं। भारत और मालदीव आपसी संबंधों की बात करें तो 1965 में मालदीव की आजादी के बाद से सैन्य, रणनीतिक, पर्यटन, आर्थिक, औद्योगिक, चिकित्सकीय और सांस्कृतिक जरूरतों के लिए वह भारत पर आश्रित रहा है। मालदीव का फैलाव भारत के लक्षद्वीप की उत्तर-दक्षिण दिशा में है। कई दशकों से हमारे संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी रहे हैं। सवाल यह उठता है कि ऐसा क्या हुआ कि दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। दरअसल, मालदीव में पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति पद के चुनाव से कड़वाहट के अंकुर फूटे। मालदीव का राष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले मुइज्जू ने चुनाव प्रचार के दौरान ही 'इंडिया आउट' नाम से अभियान चलाया था, जिसमें वहां मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस भेजने का वादा शामिल था। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि भारत इस साल मई तक मालदीव से अपने सैनिक हटा लेगा। अधिकारियों ने कहा कि हिंद महासागर द्वीपसमूह में तैनात लगभग 80 सैनिकों की जगह भारतीय सिविलियन तकनीशियन ले लेंगे। मालदीव ने द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में बनी सहमति का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों का पहला समूह 10 मार्च तक और बाकी 10 मई तक देश से रवाना हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले चीन-तुर्की से दोस्ती बढ़ाते हुए मालदीव ने भारत का हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौता रद्द कर दिया था। मुइज्जू के इस भारत विरोधी रवैये को लेकर मालदीव के विपक्षी नेता खासे चिंतित हैं। यही वजह है कि जब से मुइज्जू और भारत आमने-सामने आए हैं, मालदीव के विपक्षी नेता सत्तारूढ़ पीएनसी के खिलाफ ज्यादा आक्रामक रुख दिखा रहे हैं। दरअसल, पिछले साल राष्ट्रपति बनते ही चीन समर्थक मुइज्जू ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया था। भारत के बजाय पहला दौरा तुर्की का करने, 'हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते' को रद्द करने और चीन के साथ समझौते करने जैसे भारत विरोधी कदम मुइज्जू लगातार उठा रहे हैं। इसके अलावा मुइज्जू और एमडीपी व विपक्षी दलों के बीच कैबिनेट मेंबर्स की मंजूरी को लेकर भी मतभेद हैं। एमडीपी और डेमोक्रेट्स ने चार सदस्यों को मंजूरी नहीं दी। इसके बाद मुइज्जू के सांसदों ने संसद में प्रदर्शन शुरू कर दिया। मतभेद इतना बढ़ा कि मुइज्जू सरकार के समर्थक और विपक्षी सांसदों के बीच हाथापाई तक हो गई। मालदीव की संसद में इस झड़प का वायरल वीडियो भी सामने आया। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि मालदीव में विपक्ष के एकजुट रहने पर मुइज्जू की कुर्सी को खतरा पैदा हो सकता है। इस बीच मालदीव की संसद में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पहले संबोधन में एक बार फिर भारत विरोधी रुख दोहराया। उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा कि किसी भी देश को मालदीव की संप्रभुता में हस्तक्षेप करने या उसे कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही मालदीव भारत के साथ पानी पर रिसर्च करने वाले एग्रीमेंट को भी रिन्यू नहीं करेगा। मालदीव की मुख्य विपक्षी पार्टी एमडीपी और डेमोक्रेट ने मुइज्जू के रुख का विरोध किया है। एमडीपी ही राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही है। उसने महाभियोग के लिए जरूरी सांसदों का समर्थन लिखित तौर पर हासिल कर लिया है। कहा जा रहा है कि महाभियोग लाने की तारीख पर जल्द ही फैसला होगा। दरअसल, मालदीव में मुइज्जू की गठबंधन सरकार है और उसे पद पर बने रहने के लिए पर्याप्त सांसदों के समर्थन की दरकार है। विपक्ष के एकजुट रहने पर मुइज्जू की कुर्सी जा सकती है। संसद में मुइज्जू की पार्टी को इन झटकों से पहले भी राजधानी माले के मेयर के चुनाव में करारी शिकस्त मिली है। जनवरी में हुए मेयर के चुनाव में राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी को हार झेलनी पड़ी थी। मेयर का चुनाव भारत समर्थक एमडीपी उम्मीदवार एडम अजीम ने जीता। यानी राजधानी माले की जनता ने भी भारत विरोधी राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी को बुरी तरह से खारिज कर दिया। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि भारत-मालदीव के विवाद को हवा देने के पीछे चीन की भूमिका है। भारत-मालदीव के इस विवाद को बढ़ावा देने में चीन के निजी हित भी छिपे हैं। चीन एक रणनीति के तहत मालदीव में आर्थिक सहयोग बढ़ा रहा है ताकि वो सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हिंद महासागर में पहुंच और ताकत बढ़ाने के मंसूबों में सफल हो सके। उसकी मालदीव में ज्वाइंट ओशन ऑब्जर्वेशन स्टेशन बनाने की बहुत पुरानी मंशा किसी से छिपी नहीं है। लेकिन फिलहाल तो भारत ने अपनी कूटनीतिक चाल से यह साफ संकेत दे दिए हैं कि मालदीव अगर चीन की चाल में फंसा तो उसका हश्र भी श्रीलंका और पाकिस्तान जैसा हो सकता है। ऐसे कठिन हालात का अंदेशा मालदीव के विपक्षी दलों को भी है। इसलिए वे मान रहे हैं कि भारत के साथ जारी तनाव के चलते अगर भारतीय पर्यटक मालदीव की ओर से मुंह मोड़ेंगे तो मालदीव की अर्थव्यवस्था इतनी चरमरा जाएगी कि उससे उबरना मुश्किल हो जाएगा। हाल ही में अंतरिम बजट में भारत द्वारा मालदीव को दिये जाने वाले बजट में कटौती का निहितार्थ निश्चित रूप से मोइज्जू को जल्द समझ में आ जाना चाहिए।

लेखक वरिष्ठ संपादक हैं।

...मेरे माता-पिता जिन्होंने गरीबी में भी हमें पढ़ाया!

(लेखक- डा. श्रीगोपाल नारसन)
-मातृ पितृ पूजन दिवस पर विशेष

मेरे बचपन के समय मेरे पिताजी का वेतन बहुत मामूली था। मेरे पिताजी मदनलाल शर्मा पुलिस सेवा में हुआ करते थे। एक बार रिक्शा चालक द्वारा उनसे अधिक किराया मांग लेने पर गुस्साए पिताजी ने उसे फटकारा तो उनकी बुआजी नाराज़ हो गई और पिताजी की पुलिस की नोकरी छुड़वाने की जिद पर अड़ गए। घर मे बुआजी को सभी ने समझाया कि आगे से गलती नही होगी, लेकिन वे नही मानी और पुलिस की नोकरी से इस्तीफा दिलवाकर ही शांत हुई। जिस कारण पिताजी को डाक विभाग में नोकरी मिलने तक तीन साल बेरोजगार रहना पड़ा। अचानक आए इस आर्थिक संकट में घरवालों ने भी उनका साथ छोड़ दिया था,लेकिन मां प्रकाशवती ने अनपढ होते हुए भी सिलाई कढ़ाई में हरिद्वार से सन उन्नीस सौ साठ के दशक में डिप्लोमा कर सिलाई का काम घर पर रहकर ही शुरू किया और पिताजी के लिए आर्थिक ढाल बनकर खड़ी हो गई। तब जाकर माता-पिता दोनो की कमाई से हमारा पालन पोषण हो पाया। आर्थिक तंगी से जूझ रही खुद्दार मां तीन साल तक अपने मायके नही गई और न ही मायके से कोई आर्थिक सहायता स्वीकार की। वास्तव में हर नवजात की पहली दुनिया उसके माता-पिता ही होते है। किशोर,युवा व बुजुर्ग होने पर भी व्यक्ति कभी माता पिता को नही भूल सकता। क्योंकि माता पिता के कदमों में ही स्वर्ग सा सुख होता है। इस स्वर्ग से सुख के छिन जाने का एहसास मुझे उस समय हुआ जब मेरे माता -पिता नही रहे। माता- पिता के हमेशा के लिए चले जाने के बाद मेरे जीवन में जो उदासी व अवसाद आया था और लगा था जैसे माता -पिता के चले जाने के बाद मेरी दुनिया सुनी हो गई थी। ऐसा इसी लिए लगा था क्योकि माता पिता के दिवगंत होने के बाद उनके कदमों में बसे स्वर्ग से सुख ने भी मेरा साथ छोड दिया था। मुझे अब न मां की गोद में सिर रखकर मां के ममत्व की अनुभूति हो पा रही थी, न ही पिता के प्रेम भरे हाथ मेरे सिर को सहलाने के लिए अब बचे थे। जिस कारण हमेशा के लिए अलविदा हो चुके माता पिता की देह से तो मैं हमेशा के लिए वंचित हो गया , परन्तु आत्म स्वरूप में माता पिता का चेहरा आज भी मेरी आंखों में बसा है और लगता है कि वे मुझे कदम कदम पर सन्मार्ग दिखा रहे है। इससे पूर्व मुझे शुरू शुरू में तो उठते बैठते चलते फिरते हर जगह मुझे माता पिता ही नजर आ रहे थे, जैसे वे ही मुझे जीवन की राह पर उगंली पकडकर ले जाना चाहते हो। और मै भी माता पिता के चेहरे और उनकी यादों के साथ उनके बताए उस सन्मार्ग पर चल पडा, जिस मार्ग पर ले चलने का उन्होने स्वपन बुना था। माता पिता की सेवा व उनके आदर्शो पर चलने की प्रेरणा ही मेरी सफलता का कारण बनी। लौकिक माता पिता के चले जाने के बाद मुझे परमपिता परमात्मा शिव की रूहानी गोद का असीम सुख प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग के माध्यम से मिला। इस राजयोग ने तो मेरे जीवन की दशा और दिशा ही बदल दी। मेरे पिताजी मदन लाल शर्मा, मेरी मां प्रकाशवती से तीन साल पहले ही चल बसे थे। 13 फरवरी सन 2009 को 82 वर्ष की आयु में मेरे पिताजी श्री मदन लाल शर्मा दिवंगत हुए तो 82 वर्ष की आयु व 13 फरवरी को ही सन 2012 में मेरी लौकिक मां श्रीमति प्रकाश वती ने महाप्रयाण किया। मेरे पिताजी एक रहमदिल इंसान थे और उनमें मां जैसा ममत्व था। मां जब पढने के लिए कहती या फिर पढाई न करने को लेकर डांटती तो पिताजी मां के सामने ढाल बनकर खडे हो जाते और प्यार से कहते कोई बात नही ,धीरे धीरे पढ लेगें । कई बार तो मां जब घर पर नही होती और हम भाई बहन रात में मां के निर्देश पर देर रात तक पढ रहे होते तो पिताजी हमें कहते कि बस, बहुत पढाई कर ली। अब सो जाओं। मां के बीमार होने या फिर मायके जाने पर पिताजी अपने हाथ से खाना बनाकर हमें खिलाते थे। पिताजी हमारे लिए पिता के साथ साथ दुसरी मां की तरह थे। मेरी मां प्रकाशवती जो अपने जीवन में कभी स्कूल नही गई थी ,हमारी पढाई को लेकर इतनी सजग थी कि उन्होने हमे पढाने के लिए अपने जेवर तक बेच दिये थे। हम पढ सके और अच्छे नम्बरो से पास हो,इसके लिए मां हर रोज देर रात तक हमे पढने के लिए न सिर्फ कहती बल्कि स्वयं भी रात भर हमारे पास बैठी रहती और देखती रहती कि हम पढ रहे है या नही । उस जमाने में टेलीविजन नये नये आए थे। हमारे गांव नारसन कलां में सिर्फ एक या दो टेलीविजन ही थे। टेलीविजन पर हर रविवार को एक फीचर फिल्म आती थी और हर बुधवार को एक चित्रहार । ये दोनों कार्यक्रम उस समय के टेलीविजन का प्रमुख आकर्षण था। हमारी इच्छा होती कि हम फिल्म और चित्रहार जरूर देखे परन्तु मां पढाई के कारण इसकी अनुमति नही देती थी। कई बार हमे बुरा भी लगता परन्तु जब हमारा रिजल्ट आता और हम पास होते तो गांव के लोग बोलते कि पास हम नही, हमारी मां हुई है। गांव के लोगो की यह बात सोलह आने सच थी।

मां ने गरीबी के दिनों में भी कभी होंसला नही खोया । मेरी मां प्रकाशवती सन 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो जनआन्दोलन में तिरंगा फैहराते हुए शहीद हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स की सगी छोटी बहन थी और जब उनके भाई यानि मेरे मामा शहीद हुए उस समय मां की उम्र केवल 14 वर्ष की थी। अगले ही वर्ष बेटे के गम में उनके माता पिता यानि मेरे नाना नानी के गुजर जाने से मां के जिम्मे मात्र 15 वर्ष की आयु में अपने परिवार का दायित्व आ गया था। उन कठिन दिनों में घर के दायित्व का एहसास व अनुभव से ही मां प्रकाशवती को वह ताकत मिली थी कि वे जीवन के हर मोड पर सफल रही और हमें भी कामयाब कर पायी।

मां किसी भी बच्चे में कोई भेद नही करती थी। न्याय प्रिय मां ने कभी हमारी गलती को नही छिपाया और न कभी दूसरो पर झूठा दोषारोपण नही किया। साथ ही अगर अपनी कोई गलती होती तो सहजता से उसे स्वीकार कर लेना ही मां का स्वभाव था।

जीवन पर्यन्त संयमी,शांत और सन्तुष्ट रही मां प्रकाशवती के अन्दर देशभक्ति का भाव कूट कूटकर भरा था। उन्हे अपने अमर शहीद भाई जगदीश प्रसाद वत्स के बलिदान के लिए एक बडे पत्र समूह द्वारा सम्मानित भी किया गया था। मां चाहती थी अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की जीवनी उत्तराखंड के शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल हो, ताकि आने वाली पीढी देश के इस वीर शहीद से प्रेरित होकर देशभक्ति के मार्ग को अपना सके। मां का यह सपना आज तक पूरा नही हो सका है। आजादी के अमृत महोत्सव में भी अमर शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों की उपेक्षा बहुत खलती है। लेकिन माता पिता की एक अभिलाषा अवश्य पूरी हो गई है। शहीद जगदीश वत्स के भतीजे गुरुदत्त वत्स ने स्वयं संसाधन जुटाकर शहीद वत्स की प्रतिमा जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय खजूरी अकबरपुर में लगवा कर एक बड़ा काम किया है। वही हरिद्वार के ज्वालापुर में शहीद जगदीश वत्स पार्क के सौंदर्यीकरण व शहीद वत्स की प्रतिमा लगने से सुखद अनुभूति हुई परन्तु आज तक भी मेरी मां प्रकाशवती, मामा सुरेश दत्त वत्स व अन्य मौसियो को शहीद जगदीश वत्स का उत्तराधिकारी घोषित न किया जाना अफ़सोसजनक ही कहा जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

बिहार में विश्वासमत से विश्वासघात तक की राजनीति

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

यह तो सभी कहते और जानते हैं कि राजनीति में सब जायज होता है। कुर्सी की खातिर सदा से ही चाणक्य नीति साम, दाम, दंड, भेद को अपनाया जाता रहा है। साम, दाम, दंड, भेद में शब्द साम का अर्थ समता से या सम्मान से या समझाकर से लिया जाता है। इसका प्रयोग राजनीति में बहुतायत में होता है। वहीं शब्द दाम का अर्थ मूल्य देने से या आज की भाषा में खरीदकर से लिया जाता है, इसमें जो महारथी होते हैं वो सरकार बनाने से लेकर सरकार गिराने का खेल भी चुटकियों में कर जाते हैं। शब्द दंड का अर्थ सजा देकर से है इसे भेद में भी प्रयोग किया जाता है, लेकिन राजनीति में जिसके पास सत्ता होती है वह दंड का प्रयोजन अपने को मजबूत करने और विपक्ष को कमजोर कर सत्ता से दूर रखने के लिए करता ही है। जबकि भेद का तात्पर्य तोड़ने या फूट डालने से लिया जाता है। पहले इस चाणक्य नीति का उपयोग करते हुए परदादारी का भी खयाल रखा जाता था, लेकिन वर्तमान में इसे सरे बाजार फलिभूत किया जा रहा है। यही वजह है कि कहने में जरा भी हिचक नहीं कि आज की राजनीति में कोई सिद्धांत या नीति कार्य नहीं कर रही है, बल्कि अवसर और लोभ-लालच सारे मापदंड तय कर रहे हैं। बची-खुची कमी भय से पूरी हो जा रही है। ऐसे में रात जिसके साथ सैया में बिताई सुबह उसी के खिलाफ सीना तान कर खड़े होना, किसी तीसरे की वकालत करना और फिर सरकार बनाने या गिराने में शामिल होना, सियासी आर्ट में शुमार किया जाने लगा है। यह लंबी भूमिका बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम ने यूं ही बंधवा दी है। दरअसल सियासी घमासान के बीच बिहार में नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट में खुद को पास करवा लिया है और विपक्ष के पाले में महज सदन से वॉकआउट आया है। इस पूरे घटनाक्रम को बारीक नजर से देखने वाले तो यही कह रहे हैं कि यह सिर्फ राजनीतिक सुचिता पर प्रहार नहीं है, बल्कि आने वाले समय में राजनीतिक मूल्यों के और पतन की शुरुआत है। बिहार विधानसभा में सोमवार को जो हुआ वह देख कर कतई नहीं कहा जा सकता कि जनभावना को प्रमुखता प्रदान करने वालों ने यह सब किया होगा। दरअसल फ्लोर टेस्ट की वोटिंग से पहले विपक्ष ने वॉकआउट किया, लेकिन सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई और 129 मतों से नीतीश सरकार ने जीत दर्ज कर ली। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में 9 बार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे ही बोलने के लिए खड़े हुए तो आरजेडी विधायकों ने हंगामा शुरु कर दिया। नीतीश को गुस्सा भी आया और उन्होंने गुस्से में ही कहा कि लोग मुझे सुनना ही नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइये। बात साफ है कि जिन्हें बोलने का अवसर चाहिए था, उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, ऐसे में किसी और की कौन सुनता है, सो वाकआउट ही बेहतर था। वैसे सदन में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने जो कहा वह भी बहुत मायने रखता है, दरअसल उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गारंटी मांगी है और कहा कि मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या कि मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं? इस स्पीच के दौरान तेजस्वी जिंदाबाद के नारे भी लगे। जो यह बताता है कि लोग क्या सुनना पसंद कर रहे हैं और क्या नहीं। बहरहाल इससे क्या, क्योंकि जो नीतीश चाह रहे थे वो तो उन्होंने हासिल कर ही लिया। यही नहीं बिहार विधानसभा में इससे पहले जो घटित हुआ, उस पर भी एक नजर डालने की आवश्यकता है। दरअसल विधानसभा स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को आज ही अपना पद भी त्यागना पड़ा। महागठबंधन सरकार में स्पीकर रहे राजद विधायक अवध बिहारी चौधरी को पद से हटाने के लिए पहले अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब उन्होंने पद से हटने से ही साफ इनकार कर दिया था। बावजूद इसके आज जब उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सदन में लाया गया तो प्रस्ताव पर चर्चा की इजाजत देते हुए स्पीकर पद को त्याग दिया। उन्हें हटाने के लिए भी वोटिंग की गई और तब प्रस्ताव के पक्ष में 125 जबकि विपक्ष में 112 मत पड़े और इस तरह स्पीकर पद से उन्हें हटना पड़ा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। जो होना था सो हो गया और बिहार की विधानसभा में एक बार फिर नीतीश ने अपनी जीत दर्ज कराते हुए बतला दिया कि वो राजनीति के धुरंधर हैं, जिसके आगे भाजपा के धुरंधर भी पानी ही भरते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछली बार जब उन्होंने एनडीए को अलविदा कहा था तो यह स्वर गुंजायमान हुए थे कि अब जीते-जी कभी उन्हें गठबंधन में शामिल नहीं किया जाएगा। बहरहाल सियासी चालें अपनी जगह हैं, लेकिन जीवन में सुचिता की अपनी जगह है। ऐसे में विश्वासघात कैसा भी हो और किसी के भी द्वारा किया गया हो, वह विश्वासमत से कतई बड़ा नहीं हो सकता है। अंतत: बिहार ने बतला दिया है कि संपूर्ण देश को साफ-सुथरी और सैद्धांतिक राजनीति की आवश्यकता है।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डाटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं। पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित - इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी - कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड - झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति - रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

स्पाइसजेट 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई । वित्तीय संकट का सामना कर रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट आने वाले दिनों में कम से कम 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। एयरलाइन ने लागत में कमी लाने और अपने कम होते विमान बेड़े के संचालन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए यह फैसला किया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अ धिकारी ने बताया कि वित्तीय संकट, कानूनी लड़ाई तथा अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए वाहक अधिक कर्मचारियों को छोड़ने के लिए कह सकता है क्योंकि अभी जितने विमान सेवा में हैं उनकी तुलना में कर्मचारी अधिक हैं। अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन में करीब 9,000 कर्मचारी हैं। कर्मचारियों की संख्या 10-15 प्रतिशत कम करने पर विचार किया जा रहा है। कुल लागत को कम करने के लिए छंटनी आवश्यक है और वार्षिक बचत 100 करोड़ रुपये तक हो सकती है। 15 प्रतिशत की कटौती का मतलब होगा कि करीब 1,350 लोग अपनी नौकरियां खो देंगे। हालांकि, छंटनी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सिग्नेचर ग्लोबल गुरुग्राम में विकसित करेगी आवासीय परियोजना

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने अपनी विस्तार योजना के तहत गुरुग्राम में 20 एकड़ भूमि पर आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बनाई है। इसके लिए उसने जमींदारों के साथ साझेदारी की है। इससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम के सेक्टर-71 में 20.32 एकड़ भूमि के लिए संयुक्त विकास समझौता किया है। सिग्नेचर ग्लोबल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस आगामी परियोजना में करीब 4,500 करोड़ रुपये की संभावित बिक्री होगी। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद आवासीय मांग में वृद्धि के साथ, रियल एस्टेट डेवलपर्स अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए जमीन का अधिग्रहण करने के साथ-साथ जमींदारों के साथ भी साझेदारी कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने कुल 21.38 एकड़ भूखंड पर आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए जमींदारों के साथ तीन अलग-अलग जेडीए पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की थी। सिग्नेचर ग्लोबल का 2023 अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुनाफा 2.17 करोड़ रुपये रहा था, जबकि 2022 की समान अवधि में उसे 44.89 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम खुली, 1 ग्राम के देने होंगे 6,263 रुपए

नई दिल्ली । सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24 सीरीज-4 निवेश के लिए सोमवार से खुल गई है और यह 16 फरवरी तक खुली रहेगी। इसके लिए इश्यू प्राइस 6,263 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। इस स्कीम में निवेश करने पर ब्याज की कमाई भी होगी और जीएसटी भी बचेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का रिटर्न शानदार रहा है। इसकी वजह से निवेशक बड़ी संख्या में इसमें निवेश करना चाह रहे हैं। भारत सरकार ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। सरकार ने नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की शुरुआत की थी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सरकार की ओर से रिजर्व बैंक जारी करता है। इसलिए इसकी सरकारी गारंटी होती है। इसमें निवेश पर गारंटीडे रिटर्न मिलता है। इसमें निवेश पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने पर निवेशकों के बैंक अकाउंट में डाल दिया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से खरीदा जा सकता है। इसके अलावा इसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) से भी लिया जा सकता है।

ओप्पो रेनो 11एफ 5जी थाईलैंड में लॉन्च

-फोन में दिया गया है 64एमपी प्राइमरी कैमरा

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी ओप्पो रेनो 11एफ 5जी को थाईलैंड में लॉन्च कर दिया गया है। नए ओप्पो रेनो 11एफ 5जी में 64एमपी प्राइमरी कैमरा और मीडियाटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर दिया गया है। इसे तीन कलर ऑप्शन और सिंगल रैम और स्टोरेज वेरिएंट में उतारा गया है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी को ओशियन ब्लू, कोरल पर्पल और पाम ग्रीन कलर ऑप्शन में उतारा गया है। अब ये मॉडल ओप्पो रेनो 11 5जीऔर ओप्पो रेनो 11 प्रो 5जीके साथ मौजूद रहेगा, जिसे जनवरी में भारत में लॉन्च किया गया था।ओप्पो रेनो 11एफ 5जी की कीमत टीएचबी 10,990 (लगभग 25,540 रुपये) रखी गई है। इसे सिंगल 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट में उतारा गया है। थाईलैंड में इसकी बिक्री लाझाडा के जरिए की जा रही है। फिलहाल भारत में इसकी लॉन्चिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, एक पुरानी लीक के मुताबिक भारत में इसे ओप्पो एफ 25 के नाम से उतारा जा सकता है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी एंड्रॉयड 14 बेस्ड कलर्स ओएस 14 पर चलता है और इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 240एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.7-इंच फुल-एचडी+ (1,080म2,412 पिक्सल) अमोलेड डिसप्ले दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में 64एमपी प्राइमरी कैमरा, 8एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 2एमपी मैक्रो कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 32 एमपी कैमरा भी मौजूद है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी की बैटरी 5,000 एमएएच की है और यहां 67 डब्ल्यू सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। सिक्योरिटी के लिए इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर मौजूद है।ओप्पो के इस स्मार्टफोन में एआरएम माली जी68 एमसी4 जीपीयू, 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम और 256जीबी यूएफएस 3.1 स्टोरेज के साथ मीडियाटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर मौजूद है। इसमें 8जीबी तक वर्चुअल रैम का भी सपोर्ट दिया गया है।

आईसीआईसीआई और फेडरल बैंक अब एफडी पर देंगे ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट्स की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने बल्क एफडी की ब्याज दर बढाई है। बैंक अब 2 करोड़ रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक एफडी कराने पर ज्यादा ब्याज देगा। नई दरें 8 फरवरी 2024 से लागू हो चुकी हैं। बैंक अब अधिकतम 7.40 फीसदी सालाना ब्याज ऑफर कर रहा है। वहीं फेडरल बैंक के भी एफडी की ब्याज दरों में वृद्धि करने के बाद ग्राहकों को अधिकतम 8 फीसदी सालाना की दर से ब्याज मिल सकता है। फेडरल बैंक की नई ब्याज दरें 6 फरवरी से लागू हो चुकी हैं। आईसीआईसीआई बैंक 7 दिन से लेकर 10 साल तक की बल्क एफडी ऑफर कर रहा है। बैंक 1 साल से 389 दिन में मैच्‍ योर होने वाली बल्क एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहा है। इस अवधि की एफडी पर बैंक आम ग्राहक और सीनिजन, दोनों को ही 7.40 ब्याज दे रहा है। फेडरल बैंक 500 दिनों की एफडी पर सामान्य नागरिकों को 7.50 फीसदी ब्याज दे रहा है, वहीं सीनियर सिटीजन को 8 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है।

हल्द्वानी हिंसा के बाद नैनीताल का पर्यटन कारोबार प्रभावित

- कारोबार में 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई

नैनीताल ।

बनभूलपुरा हिंसा के बाद नैनीताल के पर्यटन कारोबार काफी प्रभा वित हो गया है। हिंसा के कारण कारोबार में 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। वेलेंटाइन वीक के लिए जिन पर्यटकों ने बुकिंग कराई थी वो उन बुकिंग को कैंसिल कर दी हैं। अब प्रशासन ने कहा कि नैनीताल वाले पर्यटकों को कोई परेशानी नहीं होगी, क्योंकि बाहर से आने वाले पर्यटक रामनगर एवं कालाढूंगी होते हुए आसानी से नैनीताल जा सकते हैं और अब बनभूलपुरा को छोड़कर हल्द्वानी के अन्य क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। तो हल्द्वानी होते हुए भी आसानी से नैनीताल जाया जा सकता हैं। बनभूलपुरा को छोड़ कर हल्द्वानी सहित अन्य क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा भी बहस कर दी गई है। साथ ही रेलवे ने भी हल्द्वानी आने वाली ट्रेनों को हल्द्वानी स्टेशन पर रोकना बंद कर दिया है। ये ट्रेनें अब सीधे काठगोदाम जाएगी और यात्री सुरक्षित वहां से नैनीताल के पर्यटक स्थलों तक पहुंच सकेंगे। हल्द्वानी से नैनीताल जाने वाली टैक्सी व्यवसाय भी पूरी तरह से चौपट हो गया है क्योंकि अधिकांश टैक्सी चालक शहर के बनभूलपुरा क्षेत्र के रहने वाले थे। कर्फ्यू लगने के बाद से टैक्सी चालक अपने घरों से नहीं निकल पा रहे हैं। हल्द्वानी से रोजाना नैनीताल करीब 70 से 80 टैक्सी वाहनों के माध्यम से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटक सफर करते हैं लेकिन शहर में कर्फ्यू के बाद से हल्द्वानी और नैनीताल के टैक्सी स्टैंड पर पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 523 अंक, निफ्टी 166 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने के कारण आई है। इसके साथ ही निवेशकों ने जनवरी के मुद्रास्फीति आंकड़े से पहले सतर्क रुख अपनाया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा और उसमें गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला पर कुछ देर में ही उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.73 फीसदी करीब 523.00 अंक नीचे आकर 71,072.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.76 फीसदी तकरीबन 166.45 अंक टूटकर 21,616.05 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 2.6 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप में 3.12 फीसदी की गिरावट रही। वहीं व्यापक बाजारों को बड़ा नुकसान हुआ। तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स की 22 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। वहीं निफ्टी-50 के 34 घटकों में भी गिरावट देखी गयी। आज कारोबार के दौरान विप्रो, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और नेस्ले के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं एनटीपीसी, टाटा स्टील, एसबीआई और इंडसइंड बैंक के शेयर में गिरावट रही। लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण हांगकांग, चीन, जापान, ताइवान और दक्षिण कोरिया के बाजार बंद रहे। ऑस्ट्रेलिया में एएसएक्स 200 0.2 फीसदी कम पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने शुरुआती बढ़त खो दी और गिरावट लेकर लाल निशान में चले गए। सेंसेक्स 150 अंक गिरकर 71,442 पर और एनएसई निफ्टी50 53 अंक गिरकर 21,726 पर कारोबार कर रहा था हालांकि सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 52.48 अंक चढ़कर 71,647.97 अंक पर और निफ्टी भी 30.70 अंक की बढ़त के साथ 21,813.20 अंक पर पहुंच गया था।

कारोबार अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

झारसुगुड़ा ।

वेदांता एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख कारोबार को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले नौ से 12 महीने में पूरी होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अलग करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा ` कि हम एल्युमीनियम व्यवसाय के विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया अभी जारी है और विभिन्न प्राधिकरणों से कई अनुमोदनों के अधीन है। उन्होंने कहा` कि अलग की जाने वाली विभिन्न संस्थाओं में ऋण के आवंटन में वर्तमान ऋणदाताओं से भी अनुमति लेने की जरूरत है। यह प्रक्रिया जारी है। यह प्रत्यक्ष तौर पर हमारे हाथ में नहीं है। इसलिए दुर्भाग्य से मैं आपको स्पष्ट रूप से यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि यह कब होगा। हमें विश्वास है कि अगले नौ से 12 महीने में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह वेदांता के एल्युमीनियम व्यवसाय के लिए एक विकासात्मक कदम साबित होगा क्योंकि इससे वेदांता एल्युमीनियम को अपना रास्ता तय करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि वेदांता की सिजिमाली बॉक्साइट खदान में उत्पादन अगले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुरू हो जाएगा। इसके अलावा कंपनी की कुरलोई, राधिकापुर, घोघरपल्ली स्थित अन्य तीन कोयला खदानों में करीब नौ से 18 महीने में उत्पादन शुरू होगा।

यूपी-बिहार के लिए पूसा ने खोजा खास बीज, बंपर होगी पैदावार

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को अब गेंहू की फसल बोने से नुकसान होने की आशंका कम रहेगी। किसानों को इस नुकसान से बचाने के लिए इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरएआरआई-पूसा) ने गेहूं की नई वैराइटी खोजी है, जो इस वर्ष पहली बार किसानों को मिलेगा। पूसा के वरिष्ठ वैज्ञानिक और गेंहू के नए बीज की रसिर्च करने वाले डॉ. राजबीर यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश और बिहार गेहूं की फसल बोने वाले किसान नुकसान की वजह से परेशान रहते हैं, कभी फसल में बीमारी लग गयी तो कभी समय से पहले ही तापमान बढ़ गया या अन्य कई वजह होती हैं, जिससे खामियाजा किसानों को उठाना पड़ता है। किसानों की इस तरह की समस्‍ या से राहत दिलाने के लिए दोनों प्रदेशों की जलवाऊ के अनुसार पूसा ने एचडी 3388 बीज खोजा गया है। इसकी खासियत यह है कि सामान्य गेहूं के मुकाबले इसका दाना काफी बड़ा है, जिससे किसानों को अच्छी कीमत मिल सकती है। इसके अलावा इसमें बीमारी लगने की आशंका भी कम रहेगी। इस तरह नया बीज किसानों के लिए वरदान साबित होगा। नए बीज से गेहूं की पैदावार भी बढ़ेगी। इसकी पैदावार 6 टन प्रति हेक्टेयर तक होगी। इसका दाना साफ होगा और खाने में सामान्य गेहूं की तुलना में बेहतर स्वाद वाला होगा।

सोने में सुस्ती, चांदी की कीमत में तेजी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोमवार को सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस तेजी के साथ चांदी के वायदा भाव बढकर 71 हजार रुपये पार कर गए हैं। जबकि सोने के वायदा भाव 62,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 54 रुपये की गिरावट के साथ 62,240 रुपये के भाव पर खुलकर 69 रुपये की गिरावट के साथ 62,225 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 71,023 रुपये के भाव पर खुलकर 263 रुपये की तेजी के साथ 71,037 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी बरकरार रही। कॉमेक्स पर सोना 2,038.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,034.50 डॉलर था।` फिलहाल यह 2.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.63 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.59 डॉलर था।` फिलहाल यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 22.74 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 15.60 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़कर 15.60 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह राशि 2023-24 के संशोधित अनुमानों का 80 प्रतिशत है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ऐसे में 10 फरवरी, 2024 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह से पता चलता है कि सकल संग्रह 18.38 लाख करोड़ रुपये है। यह राशि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.30 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 10 फरवरी तक रिफंड को हटाकर प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.60 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 20.25 प्रतिशत अधिक है।

यह संग्रह 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल संशोधित अनुमान का 80.23 प्रतिशत है।

बयान में कहा गया कि एक अप्रैल, 2023 से 10 फरवरी, 2024 के दौरान 2.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है। इस दौरान कॉरपोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) के सकल राजस्व संग्रह में भी लगातार वृद्धि देखी गई। सीआईटी की वृद्धि दर 9.16 प्रतिशत थी, जबकि पीआईटी की वृद्धि दर 25.67 प्रतिशत रही।

बादाम की अच्छाइयों के साथ इस वैलेंटाइन डे को बनाएं सेहतमंद

प्यार का त्योहार दस्तक दे चुका है, आइए इस वैलेंटाइन डे पर एक अलग तरीका अपनाएं। मीठे के पारंपरिक उपहार और अस्वस्थकर चीजों में डूबे रहने की बजाय, सेहत और तंदुरुस्ती को चुनें। यह बदलाव अस्वस्थकर चीजों को खाने के बजाय सेहतमंद विकल्प चुनकर प्यार का त्योहार मनाने की एक नई सोच दे सकता है। अपने किसी स्पेशल के लिए ऐसे ही कुछ हेल्दी लेकिन अनूठे तोहफों में से एक हो सकता है चुनिंदा बादाम का एक बॉक्स। यह रिश्ते में आपसी प्यार और सेहत का महत्व बताने का एक बेहतरीन तरीका है।

अच्छे व क्रंची स्वाद तथा कई तरह के सेहतमंद फायदों के बारे में मशहूर बादाम एक समझदारी भरा और पौष्टिकता से भरपूर व्यवहार साबित हो सकता है। 15 पोषक तत्वों से भरपूर बादाम में जिंक, फोलेट, आयरन, विटामिन ई, मैग्नीशियम और प्रोटीन होता है। गुणों का खजाना ये नट्स सेहत को कई सारे लाभ पहुंचाते हैं। यह दिल की सेहत को अच्छा रखता है, त्वचा की सेहत बेहतर होती है, वजन नियंत्रित रखने और ब्लड शुगर का प्रबंधन करने में मददगार हो सकता है। अपने भोजन में बादाम को शामिल करने से आप स्वादिष्ट स्नैक के रूप में इसका मजा ले सकते हैं, वहीं कई सारे पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति करता है, जिससे आपकी सेहत पर कई प्रकार से अच्छा प्रभाव पड़ता है।

प्यार के इस मौसम और रोजमर्रा के भोजन में बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे में बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, च्मेरे लिए वैलेंटाइन डे, प्यार का इजहार करने से अलग चीज है; यह अपनों की सेहत का ख्याल रखने के बारे में है। मैं इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं और मेरा परिवार सेहतमंद और संतुलित खाना खाए। हम अपने खाने में नियमित रूप से बादाम को शामिल करते हैं। सबसे दिलचस्प बात है कि मेरी बेटी को जब भी थोड़ी भूख लगती है वह कुछ भी अनहेल्दी खाने की बजाय स्नैक में बादाम लेती है। जिंक, प्रोटीन, विटामिन ई और अन्य 15 पोषक तत्वों से युक्त बादाम अपने कई सारे सेहतमंद फायदों के साथ, एक समझदारी भरा और पोषण से भरपूर गिफ्ट रोजाना के भोजन में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे में, रितिका समद्दर, रीजनल हेड, डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली का कहना है, च्मैं अपने क्लाइंट को नियमित आहार में मुट्ठीभर बादाम शामिल करने की सलाह देती हूं। यह सलाह इस तथ्य पर आधारित है कि बादाम में प्रोटीन और डाइटरी फाइबर समेत 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटीज को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक अध्ययन के मुताबिक, बादाम को अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल करने से, इसमें कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के ब्लड शुगर पर प्रभाव को कम करने की क्षमता होती है। ''

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बायो-केमिस्ट्री रीएजेंट्स के लिए फाइल किया पेटेंट, 200 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य

मुंबई। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्लोबल हेल्थकेयर डिवीजन लॉर्ड्समेड ने ट्राइग्लिसराइड्स, यूरिक एसिड, अल्कलाइन फॉस्फेटेज, बिलीरुबिन, कैल्शियम (आर्सेनाजो 3), क्रिएटिनिन, ग्लूकोज, सीरम ग्लूटेमिक ऑक्सालोएसीटिक ट्रांसएमिनेज (एसजीओटी)/एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फेरस, सीरम ग्लूटेमिक पाइरुविक ट्रांसएमिनेज (एसजीपीटी), एलनाइन एमिनोट्रांस्फरेज (एएलटी) और टोटल प्रोटीन के लिए 10 वर्ल्डक्लास रीएजेंट और डायग्नोस्टिक टेस्ट किट का एक सेट लॉन्च किया है. ये रीएजेंट और डायग्नोस्टिक टेस्ट किट 99.7 प्रतिशत सटीक व उच्चतम स्तर पर संवेदनशील हैं तथा 24 महीने की शेल्फ-लाइफ, यूनिक पैकेजिंग और प्रतिस्पर्धी कीमत के साथ आते हैं. कंपनी ने इन किट के लिए भारत में पेटेंट फाइल किया है, जो गंभीर बीमारियों के लिए प्रिवेंटिव हेल्थकेयर मैकेनिज्म को मजबूत करेगा।

लॉर्ड्समेड इन रीएजेंट और डायग्नोस्टिक परीक्षण किट को महाराष्ट्र स्थित मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में बनाएगी और 300 से अधिक डीलरों के पैन-इंडिया वितरण नेटवर्क के माध्यम से पैथोलॉजिकल लैब, अस्पतालों और अनुसंधान संस्थानों को उपलब्ध कराएगी। लॉर्ड्समेड अपनी पैथोलॉजिकल लैब चेन में भी किट का इस्तेमाल करेगी। कंपनी की योजना प्रमुख वैश्विक बाजारों में रीएजेंट और किट का निर्यात करने की भी है. लॉर्ड्समेड का लक्ष्य कुछ सालों के भीतर पूरे भारत में और वैश्विक बाजारों में सार्क, अफ्रीका और पूर्वी यूरोप के देशों में इन किटों की आपूर्ति कर 200 करोड़ रुपये का रेवेन्यू जेनरेट करने का है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ सच्चिदानंद उपाध्याय ने लॉन्च को लेकर कहा, "क्रोनिक और संक्रामक बीमारियों में तेजी तथा जांच के महत्व व प्रिवेंटिव हेल्थ्केयर के फायदों के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण भारत में किफायती और गुणवत्तायुक्त रीएजेंट और डायग्नोस्टिक किट की मांग लगातार बढ़ रही है."

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं जॉनसन

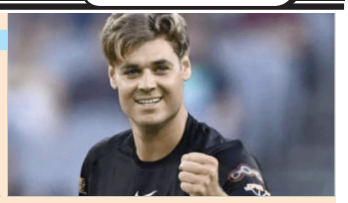

मुम्बई । गुजरात टाइटन्स की टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्पेंसर जॉनसन की नजरें आईपीएल 2024 सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। जॉनसन को गुजरात टाइटन्स ने नीलामी में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था। यह क्रिकेटर अभी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर है। जॉनसन ने कहा, ''आस्ट्रेलिया के लिए कुछ मैच में शानदार प्रदर्शन करना अच्छा होगा पर विश्व कप में अभी लंबा समय है। और अगर मेरा आईपीएल में प्रदर्शन अच्छा रहता है तो पूरी उम्मीद है कि मैं विश्व कप टीम में जगह बना सकता हूं।'' जॉनसन ने अभी तक अपने करियर में एक वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, उन्होंने 2023-24 में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में 19 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बिग बैश लीग में मैंने जो प्रदर्शन किया है, उम्मीद है कि वह काफी होगा।'' आईसीसी टी20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा।

इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग में यूपी बटालियन का नेतृत्व करेंगे सुरेश रैना

देहरादून,

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना खेल के प्रति अपने प्यार को फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। वह इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले संस्करण में यूपी बटालियन का नेतृत्व करेंगे। सुरेश रैना वीवीआईपी उत्तर प्रदेश का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे हैं। यह उनकी जड़ों की ओर लौटने की यात्रा का प्रतीक है, जिसमें वे अपने प्रारंभिक वर्षों का आनंद लेंगे। इस क्षेत्र से उनकी काफी यादें जुड़ी हैं, क्योंकि यहीं उन्होंने पहली बार अपने गृह राज्य के लिए बल्ला उठाया था। भारत के महानतम टी20 खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले रैना उत्तर प्रदेश के लिए अपनी बल्लेबाजी क्षमता और कप्तानी दिखाने के लिए आईवीपीएल का हिस्सा बनकर खुश हैं। रैना ने कहा, मैं इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। मैं टीम वीवीआईपी उत्तर प्रदेश के लिए खेलूंगा। यह एक बार फिर दिग्गज क्रिकेटरों के साथ खेलने का मौका है।टीम में रैना के साथ पूर्व आईपीएल चैंपियन रजत भाटिया और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डैन क्रिश्चियन भी शामिल हैं। अपने सामूहिक अनुभव और कौशल के साथ, टीम आईवीपीएल में एक शानदार छाप छोड़ने के लिए तैयार है, जो 23 फरवरी से 3 मार्च, 2024 तक देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय वेटरन क्रिकेट बोर्ड (बीवीसीआई) द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित आईवीपीएल वीरेंद्र सहवाग, मुनाफ पटेल, सुरेश रैना, रजत भाटिया, क्रिस गेल, प्रवीण कुमार, यूसुफ पठान, हर्शल गिब्स जैसे दिग्गजों को एक साथ ला रहा है। बीवीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष और आईवीपीएल के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने कहा, दिग्गज क्रिकेटर भारत में वेटरन क्रिकेट के लिए एक नई ऊर्जा का संचार करेंगे। हम आईवीपीएल परिवार में सुरेश रैना का स्वागत करते हैं।

मुझे यकीन है कि प्रशंसक उन्हें मैदान पर वापस देखकर खुश होंगे। भाग लेने वाली टीमों में वीवीआईपी उत्तर प्रदेश, राजस्थान लीजेंड्स, रेड कार्पेट दिल्ली, छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, तेलंगाना टाइगर्स और मुंबई चैंपियंस शामिल हैं। भारत में मैचों का सीधा प्रसारण यूरोस्पोर्ट चैनल, डीडी स्पोर्ट्स और फैनकोड पर किया जाएगा।

अश्विन के पास राजकोट में 500वां विकेट लेने का अवसर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से राजकोट में होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना 500वां विकेट ले सकते हैं। अश्विन के नाम अभी 97 टेस्ट मैचों में 499 विकेट हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों में ही नौ विकेट ले लिए हैं। अश्विन यदि राजकोट में एक विकेट और ले लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में 500 या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। अश्विन से पहले भारतीय टीम की ओर से दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के नाम भी टेस्ट में 500 विकेट हैं। कुंबले के नाम 132 टेस्ट में 619 विकेट हैं। टेस्ट क्रिकेट में कुल मिलाकर अभी तक 8 गेंदबाजों ने ही 500 या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस प्रकार अश्विन एक विकेट लेकर 500 विकेट लेने वाले नौवें गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन ने 9 मैचों में अपने 50 टेस्ट विकेट लिए थे वहीं 100 विकेट तक पहुंचने के लिए उन्होंने 18 टेस्ट मैचों खेले जबकि 29 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 150 विकेट पूरे किए वहीं 37 टेस्ट में 200 विकेट लिए। अश्विन ने 45 मैचों में अपना 250वां टेस्ट विकेट लिया। वहीं 300 विकेट के लिए उन्हें 54 टेस्ट खेलने पड़े। 350 विकेट के लिए अश्विन ने 66 टेस्ट मैच खेले जबकि 77 मैचों में 400 विकेट लिए। उन्होंने अपने 89वें टेस्ट में 450 विकेट लिए। अश्विन यदि राजकोट में 500 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के बाद 100 से कम टेस्ट मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। मुरलीधरन ने अपने 500 विकेट 87 टेस्ट मैचों में पूरे किए थे।

टॉमी पॉल ने जीता दूसरा एटीपी खिताब

डलास (अमेरिका),

टॉमी पॉल ने ऑल-अमेरिकन फाइनल में अपने ही देश के मार्कोस गिरोन को 7-6 (7-3), 5-7, 6-3 से हराकर डलास ओपन ट्रॉफी जीती, जो उनका दूसरा एटीपी टूर खिताब है। यह स्टॉकहोम में 2021 के बाद उनकी पहली बड़ी जीत भी है। दक्षिणी मेथोडिस्ट विश्वविद्यालय के परिसर में एक रोमांचक मैच में टॉमी पॉल ने निर्णायक सेट में अपनी बढ़त कायम रखी। शीर्ष वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और चौथी वरीयता प्राप्त एड्रियन मन्नारिनो के खिलाफ लगातार शीर्ष 20 में जीत हासिल करने के बाद गिरोन ने दमदार अंदाज के साथ फाइनल में प्रवेश किया। जब उन्होंने दूसरा सेट जीत लिया, तो ऐसा लगा कि वह इस गति का उपयोग करके अपना पहला एटीपी टूर खिताब सुरक्षित कर सकते हैं। लेकिन, दबाव में पॉल थोड़े बेहतर दिखे। इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, दूसरे वरीय ने अपने सामने आए छह ब्रेक प्वाइंट में से चार बचाए और अपने दो अवसरों को भुनाया। मैच के बाद पॉल ने कहा, ''यह अविश्वसनीय मैच था। मेरे करियर का अब तक खेला सबसे अच्छा फाइनल। रविवार की खिताबी जीत के बाद पॉल एटीपी रैंकिंग में 14वें नंबर पर पहुंच गए, जिससे वह अमेरिकी खिलाड़ियों में टेलर फ्रिट्ज़ के बाद नंबर 2 पर पहुंच जाएंगे।

रोहित एंड कंपनी को कड़ी टक्कर देगी इंग्लैंड : इयान चैपल

नई दिल्ली,

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के लिए भारत का समर्थन किया है, लेकिन उनका मानना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली मेहमान टीम बाकी तीन टेस्ट मैचों में रोहित शर्मा एंड कंपनी को कड़ी टक्कर देगी. इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहला टेस्ट 28 रन से जीता, जबकि भारत ने विशाखापत्तनम में 106 रन की जीत के साथ वापसी की. पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर है, और तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होगा. इसके बाद भारत और इंग्लैंड दोनों 23 फरवरी से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए रांची जाएंगे, जिसके बाद 7 मार्च को धर्मशाला में श्रृंखला का अंतिम मैच होगा. चैपल ने कहा, घरेलू टीम के रूप में भारत को ये श्रृंखला जीतनी चाहिए, लेकिन इसके लिए उन्हें एक मजबूत टीम का डट कर सामना करना पड़ेगा. चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, स्टोक्स के आक्रामक नेतृत्व में इंग्लैंड खराब कप्तानी वाली जो रूट टीम से बहुत पीछे है, जिसने देश के अपने पिछले दौरे पर स्पिन के खिलाफ घुटने टेक दिए थे. भारत बनाम इंग्लैंड का यह मुकाबला वैसा ही आकार ले रहा है जैसा होना चाहिए. यह दो प्रतिभाशाली टीमों के बीच पांच

मैचों का एक रोमांचक मुकाबला है. उन्होंने कहा कि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी से भारत को बल मिलेगा, चैपल को यह भी लगता है कि विराट कोहली का व्यक्तिगत कारणों से पूरी श्रृंखला से हटना टीम के लिए एक बड़ा झटका है.

कप्तानी के लिए बेन स्टोक्स का आक्रामक रवैया भले ही दूसरे टेस्ट में टीम को जीत नहीं दिला सका, लेकिन पांच मैचों की श्रृंखला भारत के खिलाफ अभी भी 1-1 से बराबरी पर है. राजकोट में श्रृंखला का तीसरा मैच शुरू होने पर स्टोक्स अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और चैपल को लगता है

कि यह ऑलराउंडर इंग्लैंड के लिए बहुत ही दमदार और स्मार्ट कप्तान साबित हुआ है.

संक्षिप्त समाचार

वॉर्नर टी20 मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले सातवे खिलाड़ी बने, रिजवान आठवे नंबर पर खिसके

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 22 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वार्नर के टी20 मैचों में 2,986 रन हो गये हैं और वह सातवे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 90 मैचों में 2,981 रन बनाये थे और अब वह आठवे नंबर पर फिसल गये हैं। वॉर्नर ने 19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 33.17 और स्ट्राइक रेट 141 से अधिक रहा। वार्नर ने एक शतक और 25 अर्द्धशतक भी लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 100 रन रहा। वहीं रिजवान ने 90 मैचों और 78 पारियों में 48.86 की औसत और 127 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,981 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 104 रन रहा। इसके अलावा उन्होंने एक शतक और 26 अर्द्धशतक भी लगाये हैं। सबसे अधिक रनों की बात करें तो भारत के विराट कोहली पहले नंबर पर हैं। विराट ने टी20आई में 51.75 के औसत और 138.15 के स्ट्राइक रेट से 117 मैचों की 109 पारियों में 4,037 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे ज्यादा स्कोर 122 रन रहा और उन्होंने इस दौरान एक शतक और 37 अर्द्धशतक लगाये।

भारत की हार का मजाक बना रहे पाक प्रशंसकों पर भड़के इरफान पठान

नई दिल्ली । भारत के अंडर-19 विश्वकप में हारने से सबसे अधिक खुशी पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसकों को हुई और उन्होंने भारतीय टीम को ट्रॉल करना शुरु कर दिया। भारतीय टीम को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद पाक प्रशंसकों ने भारतीय टीम की हंसी उड़ानी शुरु कर दी। ऐसे में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने पाक प्रशंसकों को सोशल मीडिया पर करारा जवाब दिया। इरफान पठान ने सोशल मीडिया पर लिखा, इसके बावजूद की पाक टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाई। वहां के प्रसंसकों को हमारे युवाओं की हार पर खुशी हो रही है। ये दिखा है कि वे कितने नकारात्मक और खराब मानसिकता वाले लोग हैं। अंडर19 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में यह भारत की पिछले 9 महीनों में आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में लगातार तीसरी हार थी। तीनों बार ही भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने ही हराया। इससे पहले भारतीय टीम को जून में भी ऑस्ट्रेलिया के हाथों आईसीसी विश्व टेस्ट सीरीज और फिर नवंबर में हुए एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था।

अंडर-19 विश्व कप 2024 में मफाका को मिला प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड

बेनोनी ।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। मफाका इन इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए थे। उन्होंने 9.71 के औसत से से विकेट लिए।

मफ़ाका ने अवार्ड मिलने के कहा कि वह इसे हासिल कर बेहद खुश हैं। साथ ही कहा कि टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन पर मुझे खुशी हुई है पर टीम को फाइनल तक नहीं ले जा पाने का दुख भी है। मफाका ने अंडर-19 विश्व कप में एक अनूठा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

वह विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक तीन बार 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने है। उन्होंने वेस्टइंडीज , जिम्बाब्वे और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लिए।

उनसे पहले केवल 4 खिलाड़ी ही विश्वकप में दो बार पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। मफाका ने इसी के साथ ही श्रीलंका के दुनिथ वेललेज , अफगानिस्तान के शफीकुल्ला गफारी , पाकिस्तान के अनवर अली और रियाज अफरीदी

को पीछे छोड़ दिया।

इन सभी ने विश्वकप के पिछले सत्रों में दो बार पां-पांच विकेट लिए थे। मफाका साल 2022 में इस टूर्नामेंट में पहली बार खेलते हुए सात विकेट लेने में सफल रहे थे।

वहीं रनों के मामले में भारत के कप्तान उदय सहारन 397 रनों के साथ टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे जबकि सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्नेहिथ रेड्डी के नाम रहा। स्नेहिथ ने नेपाल के खिलाफ 147 रन बनाये।

शॉट खेलने में जल्दीबाजी से मैच हमारे हाथ से निकला : उदय

मुझे अपनी टीम पर गर्व है

बेनोनी ।

भारतीय अंडर-19 जूनियर क्रिकेट टीम के कप्तान उदय सहारन ने विश्वकप के खिताबी मुकाबले में हार पर निराशा जताई है पर कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। भारतीय टीम को गत दिवस हुए खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के हाथों 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सहारन ने कहा कि हमने शॉट खेलने में जल्दीबाजी कर दी इस कारण मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। टीम इंडिया ने फाइनल मैच में संघर्षपूर्ण रुख दिखाया। कप्तान ने कहा कि मुझे अपने लड़कों पर गर्व है, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट में अच्छी जुझारु क्षमता दिखायी। हमने आज कुछ तेज शॉट खेले और क्रीज पर टिककर नहीं खेल पाये। हम अपनी योजनाओं के साथ तैयार थे पर उनपर अमल नहीं कर पाये। इस टूर्नामेंट से हमें सहयोगी स्टाफ सहित सभी से बहुत कुछ सीखने को मिला है। इसप्रकार हम और सीखते रहने और बेहतर बनने का प्रयास करते ही रहेंगे। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 253 रन बनाए थे। इससे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी।

रणजी ट्रॉफी में बिहार पर पारी की हार का खतरा

नई दिल्ली । रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में बिहार टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसपर तीसरी हार का खतरा मंडरा रहा है। असम के खिलाफ एलीट ग्रुप बी मैच में टीम पर फॉलोऑन खेलने का खतरा मंडरा रहा है। आखिरी दिन फॉलोऑन खेलते हुए बिहार ने दूसरी पारी में 168 रन पर ही अपने तीन विकेट खो दिये। पीयूष सिंह 79 रन जबकि रिषभ राज 8 रन बनाकर खेल रहे थे। बिहार ने फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत की। पीयूष और शरमन ने पहले विकेट के लिए 73 रन बनाये। शरमन 58 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पीयूष का साथ देने बिपिन सौरभ उतरे। इन दोनों के बीच अच्छी साझेदारी हुई। दोनों ही स्कोर को 150 पर ले गए। बिपिन 44 रन पर पेवेलियन लौटे। सकीबुल गनी एक रन के स्कोर पर ही आउट हो गये। वहीं इससे पहले असम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर अभिषेक त्रिपाठी के 115, ओपनर परवेज मुशर्रफ के 89 रन और मृनोमय दत्ता के नाबाद 72 रनों की सहायता से 405 रन बनाये। बिहार की टीम अभी भी असम की पहली पारी में बनाए गए 405 रन के स्कोर के कारण अब भी उससे 30 रन पीछे है। इसका कारण है कि बिहार ने पहली पारी में 207 रन ही बनाये थे। ऐसे में असम के पास 198 रनों की अच्छी खासी बढ़त थी।

टीम इंडिया में वापसी के प्रयासों में लगे हैं हनुमा

नई दिल्ली ।

मध्यक्रम के बल्लेबाज हनुमा विहारी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। हनुमा का लक्ष्य अब टीम इंडिया में वापसी है और इसके लिए वह घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। हनूमा का लक्ष्य रणजी ट्राफी सत्र में अधिक से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय टीम में अपना दावा पेश करना है। इसमें वह सफल भी होते दिख रहे हैं। इस सत्र में उन्होंनें आंध्र की ओर से खेलते हुए सात पारियों में 365 रन बनाये हैं। इससे घरेलू क्रिकेट में उनका औसत 50 से ऊपर पहुंच गया है। हनुना ने कहा, मुझे दुख और निराशा है कि मैं टेस्ट टीम में नहीं हूं, लेकिन हर किसी को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, और मेरा काम अब रणजी ट्रॉफी में रन बनाना है। सत्र बिल्कुल अच्छा गया है, टीम और मैं दोनों के लिए। इसलिए मेरा लक्ष्य बहुत सारे रन बनाने और टेस्ट टीम में वापसी करना है। हनुमा बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। हनुमा ने साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 161 गेंदों में 23 रन बनाकर भारतीय टीम को हार से बचाया था। इस पारी के बाद भी वह टीम में अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये। उन्होंने संकेत दिया कि वह चयनकर्ताओं की नजर में नहीं हैं। साथ ही कहा, हाल ही में किसी ने मुझसे बात नहीं की पर कोच राहुल द्रविड़ ने मेरे अंतिम टेस्ट के बाद मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि मैं क्या सुधार कर सकता हूं, लेकिन मैं तब से किसी के संपर्क में नहीं हूं। विहारी ने अपना आखिरी टेस्ट 2022 में एजबेस्टन में खेला था और 22 और 11 रन बनाए थे। अब उनका ध्यान अपने खेल में सुधार करने और उसका आनंद लेने पर है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं केवल अपने खेल में सुधार करने और इसका आनंद लेने के बारे में सोचता हूं। अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं, तो कोई उद्देश्य नहीं बचता है। जब मैं मैदान में जाता हूं, तो मैं सिर्फ टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं और रन बनाना चाहता हूं। वापसी

मेरे हाथ में नहीं है पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मैं अपनी दावेदारी पेश कर सकता हूं।

ऑस्ट्रेलिया- वेस्टइंडीज मैच में आउट होने के बाद भी आउट नहीं दिये गये अल्जारी

एडिलेड ओवल । ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के शतक और मार्कस स्टोइनि की शानदार गेंदबाजी के बल पर ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की इस सीरीज में मेजबान टीम ने 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में एक विवाद भी छाया रहा। वेस्टइंडीज के निचले क्रम के बल्लेबाज अल्जारी जोसफ रन आउट होने के बाद भी आउट नहीं दिये गये। ऑस्ट्रेलियाई फील्डरों की इस मामले में मैदानी अंपायर से शिकायत की पर कोई परिणाम नहीं निकला। अंपायर ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मिचेल मार्श को नियम का हवाला देते हुए अल्जारी को नाबाद बताया। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के 19वें ओवर की है। तब टीम 242 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर अल्जारी रन लेने के लिए क्रीज से बाहर निकल पड़े। इसके बाद फील्डर ने नॉन स्ट्राइक छोर पर गेंद मार दी जो विकेट पर लगी। उस समय जोसफ क्रीज के अंदर नहीं पहुंचे थे और सभी को लगा कि जोसफ आउट हैं पर अंपायर ने इसे नहीं माना। अंपायर ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से कहा कि उन्होंने रनआउट की अपील नहीं की थी, इसलिए अल्जारी आउट नहीं होंगे। . अंपायर की बात पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैरान रह गए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड का कहना था कि उन्होंने रन आउट की अपील की थी। गौरतलब है कि आईसीसी के नियम के अनुसार यदि फील्डिंग टीम आउट की अपील नहीं करती है तो फिर बल्लेबाज को नॉटआउट माना जाता है। अंपायर ने यहां भी इसी नियम का हवाला दिया।

एकल रन में 3200 से अधिक धावकों ने भाग लिया, दिया रन टू एजुकेट ट्राइबल चिल्ड्रन का संदेश

सूरत।

ट्राइबल चिल्ड्रन की शिक्षा के लिए कार्यरत फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी और एकल युवा की ओर से रविवार को सूरत में एकल रन का आयोजन किया गया। जिसमें 3208 धावकों ने हिस्सा लेकर रन टू एजुकेट ट्राइबल चिल्ड्रन के संदेश को बुलंद किया।

फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बताया कि ट्राइबल चिल्ड्रन में शिक्षा का प्रसार करने के लिए एकल विद्यालय चलाए जा रहे हैं। आज देशभर में 84 हजार से अधिक एकल विद्यालय चल रहे हैं। यानी एक गांव एक शिक्षक और एक विद्यालय की तर्ज पर यह विद्यालय चल रहे हैं और देशभर में 22 लाख से अधिक ट्राइबल बच्चे इन विद्यालयों में पढ़ रहे हैं। एकल युवा द्वारा ट्राइबल बच्चों में शिक्षा का प्रसार करने के लिए और इन बच्चों की मदद के लिए समाज में जागृति लाने के उद्देश्य से एकल युवा की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इसी क्रम में रविवार को फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी और एकल युवा के सयुक्त तत्वाधान में सूरत में एकल रन "रन टू एजुकेट ट्राइबल चिल्ड्रन" का आयोजन किया गया। एकल रन का फ्लैग ऑफ वीर नर्मद युनिवेर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ किशोर सिंह चावड़ा ने किया। एकल युवा मेंटर और इवेंट चेयरमैन श्रीनारायण पेरीवाल ने बताया कि इस दौड़ में देश के 3208 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया और एकल युवा के एकल विद्यालय अभियान को बढ़ावा देने में सहयोग किया। रेस डायरेक्टर ललित पेडीवाल ने सभी धावकों का स्वागत किया और कहा कि " दौड़ते रहीए, स्वस्थ रहीए" और सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि " पढ़ेगा भारत तभी तो आगे बढ़ेगा भारत" , आइए सब मिलकर देश के वनवासी नागरिकों के उज्वल भविष्य का निर्माण करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकल युवा के अनुराग अग्रवाल, गोपेश अग्रवाल, गौतम प्रजापति, अनुराग जैन, ऋषभ चौधरी ने अहम भूमिका निभाई।

उत्तर भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 का सफल आयोजन किया गया

सुरत भूमि, सूरत।

उत्तर भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 के द्वारा आयोजित दो दिवसीय से चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। जिसमें 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच वाराणसी 11 और गया के अप अप 52 के बीच खेला गया। जिसमें up ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवरों में 93 रन बनाए जबकि वाराणसी 11 ने 8ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई नहीं कर पाए और हर का सामना करना पड़ा । फाइनल मैच की मुख्य अतिथि । उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन होने से लोगों में एकता और अनुशासन का विकास होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी होगी कि उनके क्षेत्र से कोई महेंद्र सिंह धौनी बन कर निकले।डेनिस केक के ओनर श्री रमाशंकर तिवारी,क्रिस केक के ओनर श्री दिनेश तिवारी, वार्ड नंबर 27 के महामंत्री श्री शिव शंकर दुबे जी, गुलजारीलाल उपाध्याय, विजय पांडे, देवी प्रसाद दुबे जी, मनोज शुक्ला जी, महेश शुक्ला जी, मुन्ना मिश्रा, गायक विजय शुक्ला, हनुमान सिंह, अजीत भाई मिश्रा, मनोज सोनी, विंध्यवासिनी ग्रुप से कमलेश मिश्रा जी संजय मिश्रा जी, आयोजन में शीतला प्रसाद तिवारी , उमेश तिवारी, संजय तिवारी, राहुल शुक्ला, सेवक में सूरज तिवारी, साहिल तिवारी, रोशन तिवारी, नवनीत पांडे, राजीव गुप्ता, आशीष उपाध्याय, अंकित पांडे, मयंक (वीरू) उपस्थित थे। इस टूर्नामेंट में विजेता टीम यू पी 51 फाइटर हुई और बनारस 11 उप विजेता रही। मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अमित दुबे को मिला। मैन ऑफ़ द मैच का खिताब कृष्णा शाह को मिला।

"कसुम्बो" दादूजी बारोट और उनकी सेना के भूले हुए बलिदानों का अनावरण करेगा

अनकही कहानियों पर धूल जम जाती है, उनके नायक समय की फुसफुसाहट में लुप्त हो जाते हैं। लेकिन कभी-कभी, एक भूला हुआ अध्याय फिर से सामने आ जाता है, जिसे सुनने की मांग की जाती है। "कसुम्बो", एक आगामी गुजराती फिल्म, एक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरती है, जो दादूजी बारोट और आदिपुर के उनके 51 साथियों के वीरतापूर्ण कार्यों को उजागर करती है।

प्रतिष्ठित उपन्यास "अमर बलिदान" पर आधारित यह फिल्म दादूजी बारोट और आदिपुर के 51 बहादुर ग्रामीणों की शायद ही कभी बताई गई गाथा प्रस्तुत करती है। 14वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी की दुर्जेय शक्ति के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर, जो गुजरात की पवित्र विरासत को लूटना चाहता था, उनकी कहानी साहस, बलिदान और अटूट लचीलेपन की गूंज के साथ गूंजती है।

1 मिनट 27 सेकेंड के टीजर में फिल्म की कहानी की झलक मिलती है। इसने उत्पीड़न के सामने साहस, बलिदान और लचीलेपन को श्रद्धांजलि देने वाली एक ऐतिहासिक गाथा का वादा करके रीढ़ को झकझोर कर रख दिया है। यह एक सच्ची कहानी है जो बरोटो के भूले हुए बलिदान को सामने लाती है। अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण से गुजरात उथल-पुथल में डूब गया, पालिताना में शेत्रुंजय के प्रतिष्ठित मंदिर की रक्षा की जिम्मेदारी बारोट के कंधों पर आ गई। फिल्म सावधानीपूर्वक आक्रमणकारियों के खिलाफ उनके बहादुर रुख को दोहराती है, एक ऐसे अध्याय को पुनर्जीवित करती है जिसे अक्सर ऐतिहासिक अभिलेखागार के धूल भरे कोनों में धकेल दिया गया है।

शेत्रुंजय की तलहटी और संत शूरा के समृद्ध इतिहास वाले फिल्म कलाकार कसाबिस की उपस्थिति में नई पीढ़ी को जानकारी देने के लिए कसुम्बो फिल्म बनाई जा रही है। शत्रुंजय और जिनालय की रक्षा के लिए, तलहटी गांव आदिपुर के वीर पुरुष दादूजी बारोट के नेतृत्व में, बारोट समुदाय के कई नवलोहिया और युवतियों ने भी इस आक्रमण के खिलाफ खुद को तैयार किया। फिल्म के निर्देशक विजयगिरी बावा ने कहा कि उन्होंने यह फिल्म बनाने की कोशिश की है ताकि नई पीढ़ी गुजरात को गौरवान्वित करने वाली कहानियों से वंचित न रहे और इस फिल्म के माध्यम से नायकों को श्रद्धांजलि दी गई है।

निर्देशक के मुताबिक, यह फिल्म इन वीर योद्धाओं को एक श्रद्धांजलि है। फिल्म की शूटिंग अहमदाबाद में 16 एकड़ जमीन पर की गई थी जहां पाटन की सड़कें, शाही महल, शेत्रुंजी नदी, आदिपुर गांव और पहाड़ों सहित सेट बनाए गए थे।

फिल्म के पटकथा लेखक राम मोरी का कहना है कि फिल्म पर 100 से अधिक कलाकारों ने काम किया और सेट बनाने के लिए विशेष रूप से मुंबई से एक टीम को बुलाया गया था। फिल्म "कसुम्बो" एक शक्तिशाली और प्रेरणादायक अनुभव होने का वादा करती है जो पीढ़ियों तक दर्शकों को पसंद आएगी। यह साहस, बलिदान और उत्पीड़न के खिलाफ मानवीय भावना की विजय की कहानी है।

ऐतिहासिक गुजराती फिल्म "कसूम्बो" की स्टार कास्ट डायमंड सिटी सूरत पहुंची

सूरत।

सनातन अमर था, अमर है और अमर रहेगा। विजयगिरी फिल्म्स द्वारा निर्मित गुजराती सिनेमा जगत की ऐतिहासिक फिल्म च्कसूम्बोज ने रिलीज से पहले ही लोगों के दिलों में जगह बना ली है। फिल्म का टीजर, ट्रेलर और टाइटल सॉन्ग करोड़ों लोगों के दिलों तक पहुंच चुका है और रिलीज से पहले फिल्म को खूब तारीफें भी मिल रही हैं। इस फिल्म के लिए फिल्म के कलाकारों ने काफी मेहनत की है। टाइटल सांग सोमनाथ के पावन भूमि पर रिलीज़ किया गया था। गुजराती भाषा की फिल्म जो शत्रुंजय महातीर्थ की रक्षा के लिए किए गए 51 अमर बलिदानों की भव्य गाथा बताती है। फिल्म दादू बारोट और उनके साथियों की वीरता के बारे में बताती है। इतिहास में भुला दी गई बारोटो के बलिदान की यह कहानी एक सच्ची कहानी से प्रेरित है। कसूम्बो फिल्म के अभिनेता धर्मेंद्र गोहिल, दर्शन पंड्या, श्रद्धा डांगर और चेतन धनानी ने डायमंड सिटी सूरत पहुंचे और अपनी फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

धर्मेंद्र गोहिल, रौनक कामदार, श्रद्धा डांगर, मोनल गज्जर, रागी जानी, फिरोज ईरानी, कल्पना गंगाडेकर, दर्शन पंड्या सहित युवा और अनुभवी कलाकार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग अहमदाबाद के 16 बीघे के खेत में की गई थी। जहां पाटन गली से लेकर राजमहल शेत्रुंजी नदी और आदिपुर गांव, पहाड़ आदि का निर्माण किया गया था। फिल्म के शीर्षक के जारी होने से लेकर, पात्रों का परिचय देने वाले पोस्टर, फिल्म का टीजर, भक्तिमय माँ खोडियार का गरबा, फिल्म का ट्रेलर और टाइटल सांग ने दर्शको को प्रभावित किया है, जो सिने प्रेमियों के साथ-साथ आम लोगों को भी आकर्षित करने में सफल होता दिख रहा है। यह फिल्म 16 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

"घोसालकर ट्रॉफी 2024" टी20 लीग में हर्ष वाचानी ने 60 गेंदों में 56 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई

अहमदाबाद, मुंबई के क्रिकेट जगत में एक युवा खिलाड़ी मास्टर हर्ष सुशील वाचानी, एक ऐसा नाम जो तेजी से क्रिकेट प्रतिभा के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा रहा है। हर्ष सुशील वाचानी का क्रिकेट के प्रति जुनून सदीप बी. दहाद के मार्गदर्शन के कारण है, जो अपने आप में एक महान खिलाड़ी और पूर्व मुंबई रणजी खिलाड़ी और बीसीसीआई एनसीए लेवल -3 कोच हैं।

संदीप दहाड़ क्रिकेट फाउंडेशन के कोच की देखरेख में। हर्ष वाचानी का क्रिकेट सफर किसी अद्भुत से कम नहीं है। हर्ष ने दस से अधिक टूर्नामेंटों में अपना दबदबा कायम किया है, जिनमें से प्रत्येक उनकी उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है।

गुजरात को गौरवान्वित करते हुए, हर्ष सुशील वाचानी ने 10 से अधिक टूर्नामेंटों में भाग लिया है, जिसमें जूनियर अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के गेंदबाजों के लिए मुंबई इंडियंस जूनियर्स ब्रांड नाम के तहत रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक टूर्नामेंट भी शामिल है।

हालाँकि, हाल ही में खेले गए 'घोसालकर ट्रॉफी 2024* टी20 लीग में चुनौतीपूर्ण पिच का सामना करते हुए, हर्ष सुशील वाचानी ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 60 गेंदों पर 56 रन बनाए, उनके विस्फोटक प्रदर्शन ने उनकी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने अपनी मैच जिताने की क्षमता साबित की है.

दूसरे टी20 मुकाबले में, हर्ष वाचानी एक वास्तविक रन-स्कोरिंग मशीन में बदल गए। उन्होंने 58 गेंदों में नाबाद 101 रन, 12 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से शानदार शतक बनाया, हर्ष ने अपनी टीम को एक और जोरदार जीत दिलाई, 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता और क्रिकेट की लोककथाओं में अपना नाम मजबूत किया।

कोच सदीप दाहद गर्व से हर्ष की तारीफ करते हुए कहते हैं जो सिर्फ 11 साल का है। उन्होंने हर्ष के समर्पण और स्वभाव की प्रशंसा की। कोच सदीप दाहाद ने हर्ष वाचानी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि क्रिकेट जगत एक सच्चे दिग्गज के जन्म का गवाह बन रहा है।

हर्ष के पिता सुशीलभाई वाचानी ने कहा, मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा क्रिकेट के क्षेत्र में आगे बढ़े और गुजरात और दुनिया भर में अपना नाम रोशन करे।

पेगासुस डीलर का चौथा आउटलेट सूरत में शुरू

सुरत भुमि, सूरत। अहमदाबाद के प्रसिद्ध पेगासुस डीलर का चौथा आउटलेट अब सूरत में शुरू किया गया है। रविवार को राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी के हाथों आउटलेट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर स्मार्ट सिटी सूरत के मेयर दक्षेश मावाणी भी उपस्थित थे। ग्लोब ग्रुप अपने ऑटोमोटिव वेंचर्स के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में एक पावर हाउस है। जिसमें लॉजिस्टिक, तेल क्षेत्र और निर्माण शामिल हैं। सूरत में पेगासुस के चौथे आउटलेट की शुरुआत ग्लोब ग्रुप के रामरतन अग्रवाल और शिवम इंफ्राकॉम के संजय पटेल की विविध उद्योगों में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूरत में आउटलेट शुरू करने का उद्देश्य यहां की जनता को सर्वोत्तम सेवाओं के साथ साथ उच्च स्तरीय ऑटोमोटिव अनुभव प्रदान करना है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2024 का स्मरणोत्सव: बच्चों के लिए सहयोगात्मक रूप से सुरक्षित वेब को बढ़ावा देना

नई दिल्ली । चाइल्डफंड इंडिया ने बच्चों के लिए सहयोगात्मक रूप से एक सुरक्षित वेब सुनिश्चित करने के लिए 5 फरवरी 2024 को सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया। सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायिक प्रतिनिधियों, तकनीकी कंपनियों, नागरिक समाज संगठनों, माता-पिता, बच्चों के प्रतिनिधियों के प्रमुख हितधारकों ने संयुक्त रूप से मुद्दे की गहराई को समझने और बच्चों की सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में, इंटरनेट हर किसी, विशेषकर युवा पीढ़ी के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मोबाइल उपकरणों और लैपटॉप या कंप्यूटर के माध्यम से जुड़े रहना समय की मांग है। इंटरनेट बच्चों के जीवन में ज्ञान प्राप्त करने, पढ़ाई, दोस्तों से जुड़ने, ऑनलाइन शॉपिंग और विभिन्न जानकारी तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालाँकि, इसने बच्चों को अनदेखे जोखिमों और खतरों से भी अवगत कराया है। श्री राजेश रंजन सिंह, चाइल्डफंड इंडिया के बोर्ड सदस्य- "यह सभी चिकित्सकों के लिए एक साथ आगे आने का अवसर है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे बच्चे भी ऑनलाइन सुरक्षित हैं। अब समय आ गया है कि हम सभी सरकारी पहलों का समर्थन करें और सिस्टम को मजबूत करने में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करें और यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चे को सीखने और आगे बढ़ने के लिए एक सुरक्षित वेब मिले।"

श्रीमती ए. श्रीजा, आईईएस, आर्थिक सलाहकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, सरकार- "भारत की सरकार कक्षाओं में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है; राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शिक्षा में एसटीईएम लैब, डिजिटल क्लासरूम, डिजिटल मॉड्यूल, कोडिंग आदि जैसी प्रौद्योगिकी के महत्व को पहचानती है। प्रौद्योगिकी के तेजी से प्रसार के साथ, आज, लगभग 90% ग्रामीण युवा स्मार्टफोन का उपयोग करना जानते हैं और उन्हें ऑनलाइन शोषण, चिढ़ाने और धमकाने का सामना करना पड़ता है। मैं इस जीवंत विषय पर शुरुआत करने के लिए चाइल्डफंड इंडिया को धन्यवाद देता हूं, जिस पर आने वाले दिनों में हम सभी को अधिक ध्यान देने की जरूरत है।"

सुरक्षित इंटरनेट दिवस बच्चों को स्वयं के बारे में जागरूक होने और अपनी ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सचेत रहने के लिए प्रोत्साहित करने, जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार को बढ़ावा देने और इंटरनेट पर सम्मान और दयालुता की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक मंच है। यह जागरूकता और अनुकूलनशीलता के साथ लगातार बदलते ऑनलाइन परिदृश्य को नेविगेट करने के महत्व पर जोर देता है। यह शिक्षकों, माता-पिता, नीति निर्माताओं और उद्योग के नेताओं सहित विभिन्न प्रमुख हितधारकों को सार्थक चर्चा में शामिल होने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और बच्चों और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल स्थान बनाने के उद्देश्य से पहल पर सहयोग करने का अवसर प्रदान करता है।

क्षेत्रीय टेक्सटाइल ताकतें 'भारत टेक्स 2024' एक्सपो में भारत की उभरती टेक्सटाइल इंडस्ट्री का जश्न मनाने को उत्साहित

दिल्ली। भारत का प्रमुख वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम 'भारत टेक्स 2024' गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित हथकरघा एवं हस्तशिल्प परंपराओं के भव्य संगम का गवाह बनने के लिए तैयार है। पांच भारतीय राज्य सुर्खियों में छाने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे कलात्मक उत्कृष्टता, हथकरघा शिल्प कौशल की विशेषता और विशिष्ट टेक्सटाइल नवप्रवर्तनों की एक साझा प्रस्तुति देने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के 'साझेदार राज्य' के रूप में शामिल होने के साथ भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम ने गुजरात, तेलंगाना और मध्य प्रदेश को 'सहायक साझेदार राज्य' के रूप में शामिल होने की घोषणा की है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और असम इस प्रमुख वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम में राज्य मंडप स्थापित करेंगे। मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित बाटिक प्रिंटिंग, हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग, चंदेरी और माहेश्वरी सिल्क, गुजरात की बंधनी, पटोला सिल्क, हैंड-पेंटिंग, उत्तर प्रदेश की चिकनकारी, जरी-जरदोजी, महाराष्ट्र की पैठणी साड़ी, वारली आर्ट, मशरू और हिमरू से लेकर आंध्र प्रदेश की अत्यंत-प्रशंसित जूट, हाथ से तैयार कलमकारी, हाथ से बुनी गईं भव्य धर्मावरम साड़ियां और बढ़िया मंगलागिरी सूती बुनाई तक भारत टेक्स 2024 विश्व स्तर पर प्रशंसित राज्यों की हस्तशिल्प और हथकरघा परंपराओं तथा नीतियों, नवीन प्रौद्योगिकियों व आगामी टेक्सटाइल पार्कों जैसी पहलों के संदर्भ में राज्य की प्रगतिशील पहलों का प्रदर्शन करेगा।

राज्य की साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री एकनाथ संभाजी शिंदे ने कहा, "मुझे भारत टेक्स 2024 आयोजन में साझेदार राज्य के रूप में महाराष्ट्र की भागीदारी की घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है। भारत में सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के रूप में यह आयोजन उद्योग में आपसी सहयोग और नवप्रवर्तन के लिए सबसे बड़े मंच का आकार ले रहा है। महाराष्ट्र भारत में टेक्सटाइल और परिधान क्षेत्र की विकास गाथा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है; चाहे वह पैठणी साड़ी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा हो या कुछ महत्वाकांक्षी स्टार्ट-अप द्वारा स्मार्ट टेक्सटाइल्स की उन्नति। टेक्सटाइल और तकनीकी टेक्सटाइल क्षेत्र महाराष्ट्र के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और हम इसकी निरंतर सफलता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महाराष्ट्र यह सुनिश्चित करेगा कि बुना गया प्रत्येक धागा 2047 में एक विकसित भारत की दिशा में हमारे देश की प्रगति की समृद्ध तस्वीर में जुड़ जाए।"

मध्य प्रदेश के 'सहायक साझेदार राज्य' के रूप में शामिल होने पर मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, "मध्य प्रदेश की समृद्धि उसके उद्योगों की प्रगति में निहित है। उद्योगों की स्थापना से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। राज्य सरकार व्यापक विकास, सुशासन को बढ़ावा देने और एक प्रभावी प्रणाली को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)